केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

ह्रीं श्री

मालवा हेराल्ड

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

सुविचार

मजबूत इंसान को देखकर लोग सोचते हैं कि यह कभी टूटता क्यों नहीं,लेकिन लोग यह नहीं जानते कि टूटने के बाद ही वह व्यक्ति इतना मजबूत हो पाया है...

वर्ष : 16 अंक : 324 | उज्जैन, बुधवार 06 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इंडिया को भारत बनाने का ऐतिहासिक कार्य किया : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में इंडिया से भारत ~ एक प्रवास पुस्तक का हुआ विमोचन

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इंडिया को भारत बनाने के लिए एक नहीं अनेक ऐतिहासिक और स्मरणीय कार्य किए हैं। हमारी न्याय व्यवस्था के निर्णय से जहां अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर का निर्माण बिना किसी की आपत्ति के संभव हुआ वहीं, राष्ट्र गीत वंदे मातरम् की गरिमा लौटाने, पड़ोसी देश को शक्ति का एहसास करवाने से लेकर कोरोना के समय राष्ट्रवासियों और अन्य देशों को भी मैत्री सहयोग का उदाहरण प्रस्तुत किया गया। इन सभी कदमों से सशक्त भारत का निर्माण हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कुशाभाऊ ठाकरे सभागार, भोपाल में प्रज्ञा प्रवाह द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ÷इंडिया से भारत ~ एक प्रवास%% पुस्तक के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। पुस्तक की भूमिका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने लिखी है। विमोचन कार्यक्रम में मंत्रिमंडल के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुस्तक के लेखक श्री प्रशांत पोल को बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक उनकी लेखन यात्रा का नया पड़ाव है। उन्होंने इस के लेखन में काफी परिश्रम किया है। यह सत्य है कि वर्ष 2014 से वर्ष 2026 तक के प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल को देखें तो इसे राष्ट्र के लिए स्वर्णिम काल कह सकते हैं। हमारे जवान अभिनंदन की पड़ोसी देश से जब ससम्मान वापसी होती है तो राष्ट्र की शक्ति पर गर्व का अनुभव होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र को न्यायपालिका से शक्ति मिलती है। सुप्रीम कोर्ट ने जब राम मंदिर के निर्माण का निर्णय दिया तो पूरे देश ने स्वागत किया। अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम में वे व्यक्ति भी उपस्थित थे जिन्होंने मंदिर निर्माण के विरोध में समय-समय पर याचिकाएं दायर की थीं। यह भारत है जहां सभी सद्भाव और समरसता के साथ रहते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद उस वंदे मातरम की उपेक्षा की गई जिसने क्रांतिकारियों के लिए संजीवनी का कार्य किया था। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राष्ट्रगीत की गरिमा लौटने का कार्य किया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे टीवी 9 भारत वर्ष के निदेशक श्री हेमंत शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव जैसे योग्य नेताओं के कारण इंडिया को भारत बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जहां विक्रमादित्य वैदिक घड़ी की स्थापना के माध्यम से भारत के प्राचीन गौरव का स्मरण करवाया है वहीं राम पथ और कृष्ण पाथेय के विकास और समृद्ध अतीत की याद दिलवाने वाले सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के मंचन भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल हैं। श्री शर्मा ने कहा कि एक पुस्तक के लेखन से आगे जाकर सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए ठोस कार्य करना आवश्यक है। मध्यप्रदेश इस दिशा में उदाहरण बन रहा है।

कार्यक्रम में पुस्तक के लेखक श्री प्रशांत पोल ने कहा कि उन्होंने ग्यारह अध्याय में पुस्तक लेखन करते हुए यह रेखांकित करने का प्रयास किया है कि भारत दीन-हीन और लाचार नहीं था। वर्ष 1965 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री बलवंत राय मेहता की मृत्यु पाकिस्तानी फाइटर पायलट के हमले से हो गई थी। इसे साधारण बात मान लिया गया। स्वतंत्रता के बाद वर्ष 1977 में आम जनता ने परिवर्तन की राह चुनी। अस्सी के दशक के मध्य से विश्व में बदलाव की सुगबुगाहट हो रही थी। भारत में भी उन दिनों बहुत कुछ हो रहा था। भारत ही नहीं समूचे दक्षिण पूर्व एशिया के आराध्य प्रभु श्रीराम अपनी जन्म भूमि में ताले में बंद थे। वर्तमान शताब्दी की चर्चा करें तो गत 12 वर्ष में इंडिया को भारत बनाने का अहम कार्य हुआ है।

कार्यक्रम में श्री दीपक शर्मा ने पुस्तक के केंद्रीय भाव पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रज्ञा प्रवाह के श्री धीरेन्द्र चतुर्वेदी, विद्या भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रविन्द्र कान्हेरे और प्रभात प्रकाशन के श्री राकेश सिंह भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री को किया अध्ययन ग्रंथ भेंट- विमोचन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को 2 अध्ययन ग्रंथ भी भेंट किए गए। सुशासन के परिपेक्ष में सूचना के अधिकार अधिनियम का मध्यप्रदेश के विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा पालन एवं सुझाव अध्ययन ग्रंथ मध्यप्रदेश पॉलिसी रिसर्च एंड एनालिसिस लीग द्वारा प्रकाशित किया गया है। दूसरा ग्रंथ प्रज्ञा परामर्श न्यास प्रज्ञा प्रवाह मध्य भारत प्रांत द्वारा प्रकाशित है जिसका शीर्षक है ÷युवा मंथन~ सोच सरोकार और संभावनाएं।

न्यूज ब्रीफ

किसान से कपास क्रांति और सेमीकंडक्टर..., मोदी सरकार ने 152000 करोड़ रुपए की योजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट ने कपास क्रांति नाम की पहल के जरिए हमारे देश में कपास उगाने वाले 32 लाख किसानों के लिए एक क्रांतिकारी कदम को मंजूरी दी। भारत पहले से ही 297 लाख बेल्स के प्रोडक्शन के साथ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कॉटन प्रोड्यूसर है, लेकिन 2030-31 तक डिमांड 450 बेल्स तक पहुंचने की उम्मीद है। इस डिमांड को पूरा करने और आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए, कैबिनेट ने रिसर्च, प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी बढ़ाने और किसानों को नए जमाने के फाइबर अपनाने के लिए बढ़ावा देने पर फोकस करते हुए 5,669 करोड़ रुपये के एक प्रोजेक्ट को मंजूरी दी। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट ने गन्ने के किसानों के लिए एक अहम फैसला लिया है। कैबिनेट ने 365 रुपये प्रति क्विंटल की मंजूरी दी है। यह एक बहुत बड़ी बढ़ोतरी है। उत्पादन लागत से लगभग 50% ज्यादा देने के लक्ष्य की तुलना में, यह उत्पादन लागत का लगभग 200% है। किसानों को लगभग 1 लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। इस कार्यक्रम के तहत किसानों को लगभग एक लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। उचित और लाभकारी मूल्य 365 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है, जिसका मतलब है कि रिकवरी दर 10.25त्न है। अश्विनी वैष्णव ने कहा बताया कि पश्चिम एशिया में संघर्ष को देखते हुए एक जरूरी इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम शुरू की गई है। इस पर आज फैसला लिया गया। वडिनार में 18,000 करोड़ रुपये की शिप रिपेयर फैसिलिटी, 1,570 करोड़ रुपये के दो नए सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट, क्रिस्टल और सूची को आज मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज, मैं कैबिनेट मीटिंग में लिए गए जरूरी फैसलों पर बात करना चाहूंगा। कैबिनेट ने किसानों, टेक्नोलॉजी, मेक इन इंडिया और ज्यूडिशियरी के बारे में बड़े कदम उठाए हैं।

दिल्ली वालों को जाम से मिलेगी बड़ी राहत, NHAI ने लिया 3 प्रमुख रास्तों को सिग्नल-फ्री बनाने का जिम्मा

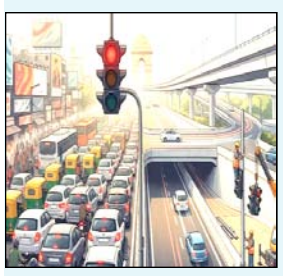

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली सरकार द्वारा करीब एक साल पहले किए गए अनुरोध पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) ने तीन अव्यवस्थित कॉरिडोर को जाम मुक्त बनाने की जिम्मेदारी अपने हाथ ले ली है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) ने इन व्यस्ततम मार्गों के लिए व्यवहार्यता अध्ययन और डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है। इनमें इंडिया गेट से लेकर बदरपुर तक जाने वाला मथुरा रोड, पंजाबी बाग से पीरागढ़ी होते हुए हरियाणा बार्डर तक जाने वाला टीकरी बार्डर मार्ग और अंधेरिया मोड़ से गुरुग्राम बॉर्डर तक महरौली गुरुग्राम (एमजी रोड) मार्ग शामिल हैं। इनके माध्यम से न केवल दिल्ली के लोगों को जाम से राहत मिलेगी बल्कि पड़ोसी राज्यों उत्तर प्रदेश और हरियाणा के लोगों को भी लाभ मिलेगा। जिसमें इन मार्गों पर जाम दूर करने पर काम किया जाएगा। इन परियोजनाओं पर काम होने पर दिल्ली से सटे गुरुग्राम, फरीदाबाद और बहादुरगढ़ के बीच आवाजाही बेहद सुगम हो जाएगी। परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाता है, तो यह न केवल यातायात की समस्या का समाधान करेगा, बल्कि राजधानी की अर्थव्यवस्था और जीवन स्तर को भी नई गति प्रदान करेगा। आमतौर पर दिल्ली की आंतरिक सड़कों का रखरखाव पीडब्ल्यूडी द्वारा किया जाता है, लेकिन इन मार्गों की जटिलता और राष्ट्रीय राजमार्गों से इनके जुड़ाव को देखते हुए दिल्ली सरकार ने एनएचएआइ से हस्तक्षेप का अनुरोध किया था। मथुरा रोड~ इंडिया गेट से बदरपुर तक जाने वाले 15 किमी लंबा यह मार्ग दक्षिण दिल्ली को फरीदाबाद और आगरा से जोड़ता है। इस पर प्रमुख रूप से सात लालबत्तियां हैं। इंडिया गेट से शुरू होने पर 500 मीटर की दूरी पर पहली लालबत्ती है।

कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाएंगे थलापति? केसी वेणुगोपाल ने सब बताया

नई दिल्ली/ जीएनएस। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी ने एतिहासिक जीत दर्ज की। 234 सदस्यीय विधानसभा में TVK ने 108 सीटों पर शानदार जीत दर्ज की है। हालांकि, पार्टी बहुमत के जादुई आंकड़े (118) से महज 10 सीटें दूर रह गई है।

विजय ने कांग्रेस से मांगा समर्थन- इस अनिश्चितता के बीच, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि विजय ने तमिलनाडु में नई सरकार बनाने के लिए कांग्रेस से समर्थन मांगा है।

वेणुगोपाल ने कहा, विजय ने आधिकारिक तौर पर कांग्रेस का साथ मांगा है। हम राज्य में भाजपा की विचारधारा वाली सरकार को रोकने के लिए प्रतिबद्ध हैं, क्योंकि जनता का जनादेश स्पष्ट रूप से एक धर्मनिरपेक्ष सरकार के पक्ष में है।

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस आलाकमान ने राज्य इकाई को इस गठबंधन पर फैसला लेने की पूरी स्वायत्तता दे दी है। चर्चा है कि नई सरकार में TVK और कांग्रेस के अलावा कुछ अन्य छोटे दलों को भी शामिल किया जा सकता है।

क्या करेगी कांग्रेस- केसी वेणुगोपाल के अनुसार, तमिलनाडु कांग्रेस की राज्य इकाई कल बुधवार सुबह चेन्नई में एक महत्वपूर्ण बैठक करेगी, जिसमें TVK को समर्थन देने की शर्तों और स्वरूप पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

15 दिन कैंप, अलग टीम और अभूतपूर्व सुरक्षा..., भवानीपुर में अमित शाह ने ऐसे लिखी ममता की हार की पटकथा

नई दिल्ली/ जीएनएस। भाजपा के चाणक्य कहे जाने वाले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इस बार जब बंगाल चुनाव की तैयारी शुरू की थी तो उसी वक्त यह तय कर लिया था कि न सिर्फ तृणमूल, बल्कि पार्टी का सबसे सशक्त चेहरा ममता बनर्जी को भी उनके ही गढ़ भवानीपुर में हराना होगा। लिहाजा, शुरूआत से ही इसकी पटकथा लिखी गई और हर कोण से निर्देशन शाह का रहा।

मतदान के आखिरी पल तक वह खुद इस सीट पर हो रही हर गतिविधि की जानकारी लेते रहे। इसके पहले, दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी शाह की सूक्ष्म प्लानिंग अरविंद केजरीवाल की हार सुनिश्चित करने में सफल रही थी। ममता बनर्जी न सिर्फ 15 वर्षों से भवानीपुर से विधायक रहीं, बल्कि उनका घर भी वहीं है। उनको उनके ही घर में हराना आसान नहीं था, लेकिन अमित शाह की व्यूह रचना ने इसे संभव कर दिखाया।

रणनीति में जुड़े विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, चुनाव की घोषणा होते ही शाह ने नंदीग्राम में 2021 में ममता बनर्जी को हराने वाले शुभेंदु अधिकारी से कहा कि राजनीतिक लड़ाई के लिए बल दिखाना होता है। पिछली बार ममता आपके क्षेत्र में आई थीं, इस बार आप उनके गढ़ में जाओ और हराओ ताकि समर्थकों और कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा रखा जा सके।

शाह ने विश्वस्त लोगों की एक अलग टीम बनाई- शुभेंदु अधिकारी को मैदान में उतारने के बाद शाह ने भवानीपुर के लिए अपने सबसे विश्वस्त लोगों की एक अलग टीम बनाई थी, जो पार्टी को नहीं, बल्कि सीधे उन्हें रिपोर्ट करती थी। शाह 15 दिन कोलकाता में रहे।

UPSC रिजल्ट में होगा अब बड़ा बदलाव, सीआइसी ने डीओपीटी को भेजी महत्वपूर्ण सिफारिश

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश की सबसे प्रतिष्ठित सेवा, सिविल सेवा परीक्षा के परिणामों में अब एक बड़ा और पारदर्शी बदलाव देखने को मिल सकता है। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआइसी) ने कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को एक महत्वपूर्ण सिफारिश भेजी है।

इसमें कहा गया है कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अंतिम चयन परिणामों में केवल मुख्य श्रेणियों (एससी, एसटी, ओबीसी) का ही जिक्र न हो, बल्कि अभ्यर्थियों की उप-जाति का विवरण भी शामिल किया जाए। इस कदम का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आरक्षण और सकारात्मक कार्रवाई का लाभ वास्तव में उन वर्गों तक पहुंच रहा है या नहीं, जो अब भी हाशिए पर हैं।

आरटीआई आवेदन से खुला डाटा का अभाव यह मामला तब सामने आया, जब एक आरटीआई आवेदक ने 1995 की सिविल सेवा परीक्षा में चयनित आइएएस अधिकारियों की जाति-वार जानकारी मांगी थी। सुनवाई के दौरान विभाग ने स्वीकार किया कि उनके पास केवल व्यापक श्रेणियों (जैसे अनुसूचित जाति या पिछड़ा वर्ग) का डाटा उपलब्ध है, उप-जाति के स्तर पर रिकार्ड नहीं रखा जाता।

विभाग ने यह भी बताया कि 1995 जैसे पुराने रिकार्ड अब उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि, 2017 के बाद के परिणाम पोर्टल पर मौजूद हैं।

पंजाब और हरियाणा, आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में स्थायी जजों की नियुक्ति की सिफारिश

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने पंजाब, हरियाणा और आंध्र प्रदेश के हाई कोर्ट में अधिवक्ताओं और न्यायिक अधिकारियों को न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की है। सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने कहा कि चार मई को हुई अपनी बैठक में उसने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के न्यायाधीशों के रूप में तीन अधिवक्ताओं प्रविन्द्र सिंह चौहान, राजेश गौर और मिंदरजीत यादव की नियुक्ति के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

डाक मतों की गिनती में पलटा मामला, भाजपा प्रत्याशी पर केस से हाई कोर्ट नाराज

नई दिल्ली/ जीएनएस। कर्नाटक हाई कोर्ट ने श्रृंगेरी विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी डीएन जीवराज के खिलाफ डाक मतों से कथित छेड़छाड़ के मामले को रद करते हुए पुलिस और संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि 2023 की घटना को लेकर 2026 में केस दर्ज करना न्यायसंगत नहीं है और यह कार्रवाई राजनीतिक प्रभाव में की गई प्रतीत होती है।

दरअसल, 2023 के विधानसभा चुनाव में श्रृंगेरी सीट से कांग्रेस प्रत्याशी राजेगौड़ा को 201 वोटों से विजयी घोषित किया गया था। इसके बाद जीवराज ने डाक मतों की दोबारा गिनती के लिए हाई कोर्ट में अपील की। अदालत के आदेश पर छह अप्रैल को हुई पुनर्गणना में नतीजे बदल गए और जीवराज को 52 मतों से विजयी घोषित किया गया।चुनाव के दौरान कुल 1822 मतों में से 279 मत खारिज किए गए थे। बाद में हाई कोर्ट ने इन डाक मतों के पुन~ सत्यापन का भी आदेश दिया।

इस प्रक्रिया के दौरान कांग्रेस ने मतपेटिकाओं और डाक मतों से छेड़छाड़ के आरोप लगाए और दावा किया कि स्ट्रांग रूम में रखी मतपेटिकाओं की सील और ताले से छेड़छाड़ की गई।नाटकीय घटनाक्रम में पुनर्गणना के दौरान राजेगौड़ा को मिले 255 डाक मत अवैध घोषित कर दिए गए। चुनाव अधिकारी गौरव शेट्टी के अनुसार, जीवराज के वैध डाक मत 692 से घटकर 690 रह गए, जबकि राजेगौड़ा के मत 569 से घटकर 314 हो गए। इसके बाद अंतिम परिणाम में राजेगौड़ा 52 वोटों से हार गए।

नागरिक ठिकानों पर हमला पूरी तरह अस्वीकार्य, UAE पर ईरानी हमले की पीएम मोदी ने की निंदा

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव बढ़ने के संकेत मिले हैं। यूएई के फुजैरा पेट्रोलियम इंडस्ट्रीज जोन (एफओआइजेड) पर हुए ड्रोन हमले में भीषण आग लग गई, जिसमें तीन भारतीय नागरिक घायल हो गए। इस घटना को अप्रैल में हुए अमेरिका-ईरान संघर्ष विराम के बाद पहला बड़ा उल्लंघन माना जा रहा है।

भारत ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे अस्वीकार्य बताते हुए नागरिकों और सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाने पर आपत्ति जताई।

नागरिक ठिकानों पर हमला पूरी तरह अस्वीकार्य- पीएम मोदी- इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उन्होंने लिखा कि भारत यूएई के साथ मजबूत एकजुटता रखता है और सभी मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए संवाद और कूटनीति का समर्थन करता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी कहा कि नागरिक ठिकानों पर हमला पूरी तरह अस्वीकार्य है और इसे तत्काल रोका जाना चाहिए।

गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के दौरान अब तक आठ भारतीय नागरिकों की मौत हो चुकी है, जबकि एक लापता बताया जा रहा है।यूएई के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, हमले में 12 बैलिस्टिक मिसाइलें, तीन क्रूज मिसाइलें और चार ड्रोन दागे गए, जिनमें अधिकांश को निष्क्रिय कर दिया गया, लेकिन एक ड्रोन फुजैरा जोन में आग लगाने में सफल रहा।

यूएई ने इसे सार्वजनिक क्षेत्रों पर आतंकवादी हमला करार देते हुए जवाबी कार्रवाई का अधिकार सुरक्षित रखा है। हालांकि, ईरान ने किसी भी पूर्व-नियोजित हमले से इनकार किया है और इसे अमेरिकी सैन्य गतिविधियों का परिणाम बताया है।

भारत ने जताई चिंता- इस घटना ने भारत की चिंता भी बढ़ा दी है, क्योंकि यूएई में लगभग 40 लाख भारतीय रहते हैं, जो सालाना 15 अरब डॉलर से ज्यादा राशि भारत भेजते हैं। साथ ही यूएई भारत के लिए प्रमुख ऊर्जा साझेदार है।

फुजैरा पोर्ट कच्चे तेल और एलएनजी आपूर्ति का अहम केंद्र है, जबकि होर्मुज स्ट्रेट के जरिए होने वाला ऊर्जा परिवहन भारत की ऊर्जा सुरक्षा से सीधे जुड़ा है। साथ ही दोनों देशों के बीच करीब 200 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध भी है।

इंदौर पुलिस कमिश्नर ने 19 पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में बेहतर पुलिसिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों को सम्मानित करने की पहल के तहत मंगलवार को 19 पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह द्वारा पलासिया स्थित कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में थाना राऊ क्षेत्र में हुए अंधे कत्ल का सफल पर्दाफाश कर अज्ञात आरोपियों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले 7 पुलिसकर्मियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले कुल 19 अधिकारी एवं कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सराहा गया। पुलिस कमिश्नर ने सभी पुरस्कृत कर्मियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी तरह कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी पुरस्कृत पुलिसकर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में ऑपरेशन मुस्कान के तहत लापता बच्चों को खोजने, साइबर सेल द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान करने, चोरी के मामलों का खुलासा करने और यातायात प्रबंधन में बेहतर कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

पुलिस कमिश्नरेट द्वारा शुरू किए गए इस साप्ताहिक सम्मान कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिसकर्मियों के मनोबल को बढ़ाना और आम नागरिकों को बेहतर सुरक्षा एवं सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रेरित करना है।

इंदौर में आधार नामांकन एवं अपडेट के लिए विशेष अभियान 9 मई को

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में आम नागरिकों की सुविधा के लिए रेल डाक सेवा कार्यालय द्वारा आधार नामांकन एवं अपडेशन हेतु एक दिवसीय विशेष अभियान आयोजित किया जा रहा है। यह अभियान दिनांक 09 मई 2026, शनिवार को सुबह 08ः00 बजे से शाम 06ः00 बजे तक संचालित होगा। यह विशेष शिविर रेलवे स्टेशन परिसर के प्लेटफार्म नंबर 01 पर स्थित जीआरपी थाने के समीप आधार सेवा केंद्र में आयोजित किया जाएगा, जहां नागरिक आधार कार्ड से संबंधित नई एनरोलमेंट, नाम, पता, मोबाइल नंबर सहित अन्य अपडेट आसानी से करवा सकेंगे। अधीक्षक रेल डाक सेवा, आईडी मंडल, इंदौर द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को आधार सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर सरल और सुगम तरीके से उपलब्ध कराना है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय पर पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाएं। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति कार्यालय अधीक्षक रेल डाक सेवा मंडल कार्यालय, इंदौर-452001 से संपर्क कर सकते हैं।

बिना अनुमति के निर्माण संबंधी सुनवाई 7 मई को

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इन्दौर में बिना अनुमति के निर्माण के एक मामले में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर के आदेश के पालन में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा द्वारा सुनवाई निर्धारित की गई है। डब्ल्यू.पी. क्रमांक 17126/2024 मनोज विरुद्ध मध्यप्रदेश राज्य एवं अन्य में पारित आदेश दिनांक 09 जुलाई 2024 के परिप्रेक्ष्य में यह सुनवाई की जा रही है। यह सुनवाई 7 मई 2026 को अपराह्न 3ः30 बजे कलेक्टर न्यायालय, कक्ष क्रमांक 101, इन्दौर में की जाएगी। संबंधित पक्षों से निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करने की अपील की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मध्यप्रदेश सार्वजनिक स्थान (धार्मिक भवन एवं गतिविधियों का विनियमन) अधिनियम, 2001 के तहत कस्बा इन्दौर स्थित इन्दौर विकास प्राधिकरण की योजना क्रमांक 44 के पार्किंग स्थल पर निर्मित धार्मिक स्थल (मोरी वाले बाबा की दरगाह, मस्जिद एवं दुकानों) के बिना अनुमति निर्माण के संबंध में प्रकरण की सुनवाई की जाएगी। प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया गया है कि यदि किसी संस्था या व्यक्ति को उक्त प्रकरण में कोई आपत्ति या पक्ष प्रस्तुत करना हो, तो वे स्वयं या अपने अधिवक्ता/अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकते हैं।

खुले में कचरा फेंकने की आदत पर नहीं लगी रोक तो कट जाएंगे एक हजार अंक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 12500 अंक के लिए होने वाले इस सर्वे में एक हजार अंक सिर्फ इसके लिए हैं कि शहर में नागरिक खुले में कचरा नहीं फेंकते हैं। इंदौर के नागरिक पिछले आठ सर्वे में लगातार इस मामले में शत प्रतिशत अंक हासिल करते रहे हैं, लेकिन इस बार हालात कुछ बदले नजर आ रहे हैं।

तमाम प्रयासों के बावजूद शहर में अब जगह-जगह कचरा नजर आने लगा है। ऐसा नहीं कि जनता जागरूक नहीं है, लेकिन कुछ क्षेत्र हैं जहां स्वच्छता को लेकर लापरवाही जारी है। स्वच्छ सर्वेक्षण टीम मई के अंत तक इंदौर पहुंच जाएगी। मतलब साफ है कि खुले में कचरा फेंकने की गंदी आदत सुधारने के लिए हमारे पास सिर्फ एक पखवाड़ा है। अगर अब भी हमने इस आदत को नहीं बदला तो एक हजार अंक कट जाएंगे और इसका सीधा असर हमारी रैंकिंग पर पड़ेगा।

निगम की सख्ती से ज्यादा जरूरी है नागरिकों की जागरूकता- निगम की टीम खुले में कचरा फेंकने वालों पर सतत कार्रवाई करती है। पिछले एक माह के आंकड़ों की बात करें तो पांच सौ से ज्यादा चालान बने हैं और एक लाख से ज्यादा की राशि वसूली गई है, लेकिन यह काफी नहीं है। नगर निगम की सख्ती से ज्यादा जरूरी नागरिकों की जागरूकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम इंदौर के नागरिक स्वयं को जागरूक करें और खुले में कचरा फेंकने की आदत को सुधारें। हम न सिर्फ स्वयं को सुधारने बल्कि आसपास के लोगों को भी इस आदत को सुधारने के लिए प्रेरित करें।

जनसुनवाई में बढ़ रहा आमजन का विश्वास, हर शिकायत पर त्वरित समाधान के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में आमजन का विश्वास लगातार बढ़ता नजर आ रहा है। मंगलवार को पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने कमिश्नर कार्यालय के सभागार में जनसुनवाई के दौरान पहुंचे प्रत्येक पीड़ित की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित व उचित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली इस जनसुनवाई में इस बार कुल 80 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें पारिवारिक विवाद, आपसी मतभेद, पैसों के लेन-देन, वित्तीय धोखाधड़ी, प्लॉट और जमीन से जुड़े मामलों, महिला अपराध और अन्य पुलिस संबंधी शिकायतों की संख्या अधिक रही। पुलिस कमिश्नर ने सभी आवेदकों की समस्याओं को विस्तार से सुनते हुए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए और कई मामलों में फोन पर भी त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान सभी जोन के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे और आवेदकों की शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही शुरू की गई। पुलिस कमिश्नर ने आमजन को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा, न्याय और अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

इसके साथ ही, पुलिस द्वारा मध्यस्थता केंद्रों के माध्यम से काउंसलिंग कर पारिवारिक और आपसी विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयास भी लगातार किए जा रहे हैं, जिससे मामलों का शीघ्र और प्रभावी निराकरण संभव हो सके।

पुरानी फैक्टरी की जगह औद्योगिक कांप्लेक्स बनाने की तैयारी, सरकार ने फेज-वन के लिए 40 करोड़ रुपए किए मंजूर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा पोलोग्राउंड औद्योगिक क्षेत्र के प्रमुख स्थान पर बनाए जाने वाले औद्योगिक कांप्लेक्स का फेज-टू भी बनाया जाएगा। इसमें उद्योगपतियों और कारोबारियों के लिए छोटी-बड़ी करीब सौ यूनिट बनाकर दी जाएंगी। यह भवन छह मंजिला (तल मंजिल मिलाकर) होगा।

गौरतलब है कि शासन स्तर पर पोलोग्राउंड इस प्रोजेक्ट के साथ फेज वन में इसी तरह का एक अन्य छह मंजिला काम्प्लेक्स बनाने की तैयारी पहले ही शुरू हो गई है। पहले फेज के लिए 40 करोड़ रुपए पर मंजूर हो गए हैं। इसे डेढ़ साल में पूरा करने की योजना है। इस तरह दोनो फेज दो काम्प्लेक्स तैयार होने पर 200 नई औद्योगिक इकाईयों को पोलोग्राउंड में स्थान मिल सकेगा। डेढ़ साल में तैयार होगा फेज वन

पोलोग्राउंड में विभाग 3.83 एकड़ जमीन पर औद्योगिक कांप्लेक्स के पहले फेज की डीपीआर, डिजाइन आदि के टेंडर मप्र लघु उद्योग निगम द्वारा खुल गए है। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के अधिकारियों के अनुसार मप्र और अन्य प्रदेशों की कुल पांच एजेंसियों ने बनाने में रूचि दिखाई है। सभी टेंडर अंतिम जांच और मंजूरी के लिए भोपाल स्थित कार्यालय भेजे गए हैं।

संभावना है कि एक से दो सप्ताह में अंतिम फैसला हो जाएगा। टेंडर पर फैसला होने के बाद निर्माण एजेंसी तय करने की कार्रवाई शुरू हो जाएगी। दोनों प्रोजेक्ट का खर्च मप्र राज्य और केंद्र सरकार मिलकर उठा रही हैं। पहले फेज के लिए 40 करोड़ रुपए पर मंजूर हो गए हैं। इसे डेढ़ साल में पूरा करने की योजना है।

फेज-टू भी होगा छह मंजिला- अधिकारियों के अनुसार विभाग के पास इतनी बड़ी जमीन (करीब 15 हजार 500 वर्ग मीटर) है कि वहां औद्योगिक कांप्लेक्स का फेज-टू भी आसानी से लाया जा सकता है। परिसर के अंदर ड्रेनेज, पानी, पार्किंग, केंटीन जैसी मूलभूत सुविधाएं दो फेज के हिसाब से तैयार की जाएंगी, ताकि दूसरे फेज में सिर्फ भवन ही बनाना पड़े।

ट्रैफिक प्रहरी अभियान से जुड़कर नागरिक निभा रहे अहम भूमिका, पुलिस कमिश्नर ने किया सम्मानित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित और बेहतर बनाने के लिए संचालित ट्रैफिक प्रहरी अभियान में आम नागरिकों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने सराहनीय योगदान देने वाले जिम्मेदार नागरिकों को शील्ड, प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया।

पुलिस कमिश्नरेट द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य आमजन को यातायात प्रबंधन और नियमों के पालन की प्रक्रिया में सहभागी बनाना है। कार्यक्रम के दौरान पुलिस कमिश्नर ने बताया कि अब तक 3620 नागरिक इस अभियान से जुड़ चुके हैं और वे अपनी सुविधानुसार शहर के विभिन्न चौराहों पर यातायात व्यवस्था में सहयोग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से ही शहर में बेहतर और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। ट्रैफिक प्रहरी के रूप में नागरिक न केवल यातायात पुलिस की मदद कर रहे हैं, बल्कि आम लोगों को नियमों के पालन के प्रति जागरूक करने में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

पुलिस कमिश्नर ने नागरिकों से इस अभियान से जुड़ने की अपील करते हुए बताया कि इच्छुक व्यक्ति क्यूआर कोड स्कैन कर गूगल फॉर्म भरकर अपनी सुविधानुसार समय और स्थान का चयन कर इस मुहिम का हिस्सा बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल से शहर में सड़क सुरक्षा को और मजबूत किया जा सकेगा तथा यातायात व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी।

हेलमेट पहनें- सुरक्षित रहें अभियान से बढ़ी जागरूकता, 4220 से अधिक हेलमेट वितरित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा चलाया जा रहा हेलमेट पहनें- सुरक्षित रहें जनजागरूकता अभियान लगातार प्रभावी रूप से जारी है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में अब तक 30 हेलमेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 4220 से अधिक हेलमेट जरूरतमंद वाहन चालकों को वितरित किए गए हैं।

मंगलवार को पलासिया चौराहे पर आयोजित 30वें वृहद जागरूकता कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त के साथ अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजेश कुमार सिंह एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस द्वारा वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में ऐसे दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट प्रदान किए गए, जिनके दस्तावेज पूर्ण पाए गए, जबकि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध पहले चालान की कार्रवाई की गई और बाद में उन्हें सुरक्षा का महत्व समझाते हुए हेलमेट भी वितरित किए गए। वहीं स्वेच्छा से हेलमेट पहनकर चलने वाले जिम्मेदार वाहन चालकों को सम्मानित कर उपहार भी प्रदान किए गए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को सड़क दुर्घटनाओं के प्रति जागरूक करना और उन्हें यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना है। इसके तहत शहर में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे नागरिकों में सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित हो रही है।

इंदौर में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक और मिमिक्री से दिया नियम पालन का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में सुरक्षित और सुगम यातायात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट द्वारा मंगलवार को पलासिया चौराहे पर विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजेश कुमार सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। नुक्कड़ नाटक, सड़क सुरक्षा गीतों और मिमिक्री के जरिए लोगों को नियमों के पालन का संदेश दिया गया। मिमिक्री आर्टिस्ट दीपक नीमा ने अलग-अलग कलाकारों की आवाज में सड़क सुरक्षा का संदेश प्रस्तुत कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। वहीं ट्रेनी एयर होस्टेस छात्राओं ने भी आकर्षक अंदाज में लोगों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर सड़क सुरक्षा जागरूकता में सक्रिय योगदान देने वाले नागरिकों और संस्थाओं को सम्मानित कर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना रहा।

पुलिस आयुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं, जिनमें जनभागीदारी की अहम भूमिका है। उन्होंने बताया कि इसी पहल के तहत जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क हेलमेट भी वितरित किए जा रहे हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। अंत में उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित शहर के निर्माण में सहयोग दें।

आसमान में बढ़े यात्री, कम उड़ान के बादजूद इंदौर एयरपोर्ट पर यात्रियों की बढ़ोतरी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट से हवाई यात्रियों की संख्या लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है। खास बात यह है कि उड़ानों की संख्या सौ से कम रहने के बावजूद यात्रियों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

वर्ष 2026 के पहले चार महीनों (जनवरी से अप्रैल) में 14 लाख 96 हजार 886 यात्रियों ने हवाई सफर किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है।इस अवधि में कुल 10,908 उड़ानें संचालित हुईं, यानी प्रतिदिन औसतन 90 उड़ानें। वहीं रोजाना औसतन 12,475 यात्रियों ने हवाई यात्रा की।

वर्ष 2025 में इसी अवधि के दौरान 11,133 उड़ानें संचालित हुई थीं और 14 लाख 72 हजार 144 यात्रियों ने सफर किया था। यानी उस समय प्रतिदिन औसतन 93 उड़ानें और करीब 12,200 यात्री थे। इस तुलना से स्पष्ट है कि 2026 में 225 उड़ानें कम होने के बावजूद 24,742 यात्रियों ने अधिक यात्रा की।

इंदौर से देश के कई बड़े शहरों के लिए सीधी उड़ान सुविधा उपलब्ध है, जिससे व्यापार, शिक्षा और पर्यटन से जुड़े यात्रियों को खास सुविधा मिल रही है। आने वाले समय में यदि नई उड़ानें शुरू होती हैं, तो यात्री संख्या में बढ़ोतरी होगी। इंदौर से वर्तमान में ग्यारह राज्य और एक केंद्र शासीत प्रदेश के लिए सीधी उड़ान सुविधा उपलब्ध है। गौरतलब है कि इंदौर एयरपोर्ट के रनवे की रिपेयरिंग का कार्य होने के बाद 24 घंटे के लिए उड़ानें संचालित होने लगी है।

जनसुनवाई में दिखी प्रशासनिक संवेदनशीलता, कलेक्टर शिवम वर्मा ने आमजन की समस्याओं का किया त्वरित निराकरण

समस्या का समाधान होने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं कलेक्टर शिवम वर्मा के प्रति नागरिकों ने जताया आभार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई एक बार फिर आमजन के लिए राहत का सशक्त मंच सिद्ध हुई। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा कई प्रकरणों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया। शेष प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई के दौरान आये एक प्रकरण में दोनों किडनियों का इलाज होने पर बालिका अपने माता-पिता सहित कलेक्टर कार्यालय पहुँची। जहाँ उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया। माता-पिता ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति सही नहीं होने के कारण उपचार कराने में कठिनाई आ रही थी, लेकिन जनसुनवाई के माध्यम से बेटी को पूर्ण उपचार मिला। जहाँ कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देश पर तत्काल उपचार की व्यवस्था कराई गई तथा नियमित डायलिसिस प्रारंभ कराया गया, जिससे बेटी का जीवन सुरक्षित हो सका।

इसी प्रकार एक अन्य प्रकरण में नेहरू नगर क्षेत्र के निवासी श्री अजीत रघुवंशी ने क्षेत्र में लंबे समय से एक मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति द्वारा आमजन को परेशान करने की जानकारी गत जनसुनवाई में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को दी। कलेक्टर श्री वर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। जिसके बाद मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति को मानसिक ??चिकित्सालय भेजा गया। इस कार्यवाही के बाद क्षेत्रवासियों को राहत मिली। श्री रघुवंशी ने इस त्वरित कार्यवाही के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सुशासन एवं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की त्वरित पर के प्रति आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने जनसुनवाई के दौरान आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याओं को समझा। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें प्रमुख रूप से प्लॉट, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चिकित्सा सहायता एवं रोजगार से जुड़े प्रकरण शामिल रहे।

जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पंवार, श्री रोशन राय सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति के साथ सुना और उनके निराकरण की दिशा में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की।

पेरिस में बिखरी मध्यप्रदेश के बाग प्रिंट की आभा

विकास आयुक्त अमृत राज के प्रयासों से मिली वैश्विक पहचान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक और हस्तशिल्प विरासत बाग प्रिंट ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं। प्रदेश की पारंपरिक कलाओं को वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक प्रभावी कदम है। इस अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि में विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) श्रीमती अमृत राज के दूरदर्शी नेतृत्व और विशेष प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके मार्गदर्शन में हस्तशिल्पियों को वैश्विक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से एक सुदृढ़ कार्ययोजना तैयार की गई है, जिससे मध्य प्रदेश की कला को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। श्रीमती अमृत राज के प्रयासों से ही स्थानीय शिल्पकारों को आधुनिक वैश्विक मांग के अनुरूप तकनीकी सहयोग और विपणन के अवसर प्राप्त हो रहे हैं, जिससे बाग प्रिंट जैसी दुर्लभ कला का पुनरुद्धार हुआ है।

नेशनल अवार्डी शिल्पकार मोहम्मद बिलाल खत्री पेरिस में आयोजित यूरोप के सबसे प्रतिष्ठित मेले फ़ोयर डे पेरिस में बिलाल खत्री बाग प्रिंट का लाइव डेमोंस्ट्रेशन दे रहे हैं। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा इन्हें चयनित किया गया है। उनके द्वारा प्राकृतिक रंगों और लकड़ी के ठप्पों के माध्यम से कपड़े पर उकेरी जा रही कलाकृतियां अंतरराष्ट्रीय दर्शकों और विशेषज्ञों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

मेले के दौरान भारतीय दूतावास की थर्ड सेक्रेटरी सुश्री वर्धा खान और प्रथम सचिव श्री माधव आर. सल्फुले ने भारतीय पवेलियन का अवलोकन किया। उन्होंने बिलाल खत्री के कौशल की सराहना करते हुए स्वयं ब्लॉक प्रिंटिंग का अनुभव लिया। उन्होंने इसे भारतीय संस्कृति का अनमोल हिस्सा बताते हुए मध्यप्रदेश के शिल्पकारों के समर्पण की प्रशंसा की।

राष्ट्रीय राजमार्ग के महत्वपूर्ण स्थानों पर साइनेज लगाना सुनिश्चित करें : कलेक्टर अदिति गर्ग

लंबित सड़क निर्माण कार्यों पर लगेगी पेनल्टी, समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश

मंदसौर। कलेक्टर अदिति गर्ग की अध्यक्षता में सड़क निर्माण से जुड़े विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक सुशासन भवन स्थित सभागृह में आयोजित की गई। बैठक में जिले में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देशित किया कि राष्ट्रीय राजमार्ग के महत्वपूर्ण स्थानों पर अनिवार्य रूप से साइनेज लगाए जाएं। विशेष रूप से इंटरचेंज, रोड मर्जिंग पॉइंट एवं प्रमुख चौराहों पर स्पष्ट संकेतक लगाए जाएं, ताकि यातायात सुगम एवं सुरक्षित रह सके। साथ ही कनेक्टिविटी का सत्यापन कर क्रॉस रोड विकसित करने तथा सभी स्थानों पर स्मूथ इंटरसेक्शन बनाने के निर्देश दिए, जिनका ढलान अधिक न हो। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप ही किए जाएं तथा गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता न किया जाए। रोड इंजीनियरिंग एवं डिजाइन में बिना अनुमति परिवर्तन न करने के निर्देश भी दिए गए। जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठकों में संबंधित अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा गया।

कलेक्टर ने एनएचएआई को निर्देश दिए कि एंबुलेंस मूवमेंट को बेहतर बनाने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि मरीजों को समय पर सेवा उपलब्ध हो तथा एंबुलेंस निर्धारित समय में वापसी भी सुनिश्चित करे। साथ ही एंबुलेंस के साथ आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अंडरपास में जलभराव की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कहा कि वहां ड्रेनेज पाइपलाइन डालने के निर्देश दिए, ताकि वर्षा के समय यातायात बाधित न हो। बैठक में पीडब्ल्यूडी, पीएमजीएसवाई एवं एमपीआरडीसी विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सब-डिवीजन स्तर पर प्रत्येक सड़क की प्रगति की जानकारी ली। वर्ष 2023-24 से लंबित कार्यों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि ऐसे कार्यों पर पेनल्टी लगाई जाए तथा जिम्मेदार एजेंसियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो कार्य लंबे समय से विलंबित हैं, उनके लिए कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएं तथा सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किए जाएं। इसके अतिरिक्त सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से स्थल चिन्हित कर लोक कल्याण सरोवर निर्माण कराने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण नलजल योजनाओं के संचालन-संधारण हेतु पम्प ऑपरेटरों का प्रशिक्षण संपन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नीमच श्री अमन वैष्णव के निर्देशन में जनपद स्तर पर ग्रामीण नलजल योजनाओं के संचालन संधारण हेतु पम्प ऑपरेटरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण का आयोजन- इसी क्रम में सोमवार को विकासखण्ड नीमच की ग्रामीण नलजल योजनाओं के पम्प ऑपरेटरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उपस्थित अधिकारी व प्रशिक्षक- प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नीमच एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहायक यंत्री, उपयंत्री व हैण्डपम्प तकनीकीशियन उपस्थित थे।

प्रशिक्षण के प्रमुख बिंदु-विकासखण्ड नीमच की समस्त नलजल योजनाओं के सरपंच, सचिव एवं पम्प ऑपरेटरों को विभिन्न बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया गया।

संचालन-संधारण- नलजल योजनाओं के सुचारू संचालन व रख-रखाव संबंधी मार्गदर्शन दिया।

तकनीकी सुधार- योजना के अवयवों से संबंधित तकनीकी खराबी दुरुस्त कर गुणवत्तायुक्त पेयजल प्रदाय सुनिश्चित करने।

जल कर वसूली- नियमित रूप से जल कर राशि की वसूली करने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया।

प्रशिक्षण सामग्री वितरण- प्रशिक्षण सामग्री के रूप में भारत सरकार के जल जीवन मिशन के तहत योजनाओं के रख-रखाव संबंधी मार्गदर्शिका, मध्यप्रदेश राजपत्र (जलकर निर्धारण से संबंधित), निर्धारित जल कर राशि वसूली रसीद नमूना इत्यादि प्रदाय किए गए।

प्रशिक्षण में निर्देश दिए, कि सभी पम्प ऑपरेटर प्रशिक्षण का लाभ लेकर ग्रामों में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करें।

बिना भाव के किया गया कोई भी कार्य आगे चलकर दुख का कारण भी बनता है- गुरू अम्बाधाम निपानिया

बरखेड़ा जयसिंह में श्रीमद् देवी भागवत कथा जारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बरखेड़ा जयसिंह में चल रही श्रीमद् देवी भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर मंगलवार को गुरू अम्बाधाम निपानिया ने अपने प्रवचन में जीवन, कर्म, संस्कार और पारिवारिक मूल्यों पर संदेश दिया। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही और पूरे वातावरण में भक्ति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार देखा गया। गुरू ने कहा कि जैसा कर्म करेंगे, वैसा ही फल प्राप्त होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना भाव के किया गया कोई भी कार्य केवल दिखावा बन जाता है और वही आगे चलकर दुख का कारण भी बनता है।

उन्होंने श्रद्धालुओं को चेताया कि जीवन में दिखावे से बचना चाहिए और हर कार्य को सच्चे भाव एवं निष्ठा के साथ करना चाहिए। गुरू ने वर्तमान सामाजिक स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज समाज में संस्कारों और दया की भावना में कमी आ रही है। उन्होंने कहा कि लगभग 50 वर्ष पहले और आज की संस्कृति में बड़ा अंतर देखने को मिलता है। पहले बुजुर्गों के सम्मान की परंपरा थी, उन्हें मार्ग दिया जाता था, लेकिन आज यह मूल्य धीरे-धीरे कमजोर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समय निरंतर आगे बढ़ रहा है, जो कभी लौटकर नहीं आता। इसलिए हर व्यक्ति को अपने जीवन को व्यर्थ न गँवाकर उसे अच्छे कर्मों और आनंदपूर्वक जीने की दिशा में लगाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में सहयोग करने वाले लोग कम और केवल वीडियो बनाने तथा दिखावा करने वाले अधिक हो गए हैं। कथा के दौरान गुरू ने परिवारिक मूल्यों पर विशेष जोर देते हुए कहा कि माता-पिता, गुरु और अपने इष्ट पर विश्वास और सम्मान बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि जिन घरों में संदेह और अविश्वास बढ़ता है, वहां अंततः अशांति ही परिणाम बनती है। उन्होंने यह भी कहा कि परिवार से बड़ा कोई नहीं होता, और आज के समय में लोग तेज भागदौड़ में रिश्तों को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। कथा स्थल पर सामाजिक संदेश देते हुए गुरू ने बताया कि अंबाजी धाम निपानिया में सेवा कार्य के तहत 100 कमरों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों के सहारे के लिए यह एक बड़ा सेवा प्रकल्प है। इसी क्रम में कथा स्थल पर 13 कमरों के निर्माण का संकल्प भी लिया गया है, जिसमें एक कमरे के निर्माण हेतु 1 लाख 1 हजार रुपये का सहयोग निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान महा भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। आयोजन में मांगूसिंह व दिलीपसिंह बरखेड़ा जयसिंह, बलराम कुमावत मंदसौर, हरपालसिंह सुजानपुरा व स्थानीय गणमान्य नागरिकों का सहयोग रहा। कथा आयोजन समिति के अनुसार श्रीमद् देवी भागवत कथा 8 मई तक प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक चल रही है। 7 मई की रात्रि 8 बजे दिव्य दरबार का आयोजन होगा। 8 मई को कथा समापन के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने टामोटी में रात्रि चौपाल व जल चौपाल में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

जल जीवन मिशन का गुणवत्तापूर्ण कार्य सभी मजलोटोलो में करवाने के दिए निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा जिलाधिकारियों के साथ जनजाति बाहुल्य ग्राम टामोटी में रात्रि चौपाल एवं जल चौपाल में ग्रामीणों से रूबरू हुए। यात्री बस से पहुंचे कलेक्टर व अधिकारियों के दल का बस से उतरते ही ग्रामीणों ने जल कलश यात्रा निकालकर ढोल-धमाकों के साथ स्वागत किया।

कलेक्टर के प्रमुख निर्देश व घोषणाएं-

समस्याओं का निराकरण- कलेक्टर ने एक-एक कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

आधार शिविर- टामोटी क्षेत्र के ग्रामीणों की मांग पर आधार अपग्रेडेशन के लिए विशेष शिविर लगाने के निर्देश दिए।

जन्म प्रमाण पत्र- बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनाने के लिए सूची तैयार कर 15 तहसीलदार को उपलब्ध कराने के निर्देश सचिवों को दिए।

आबादी भूमि चिन्हांकन- वन क्षेत्र से लगे ग्रामों में आबादी के लिए उपलब्ध जमीन चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

वन अधिकार- वन राजस्व सीमा संबंधी ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान एवं सामुदायिक वन अधिकार पट्टा उपलब्ध कराने की कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया।

आंगनवाड़ी भवन- बिलवास की जर्जर आंगनवाड़ी भवन को डिस्मेंटल करने की कार्रवाई कर नवीन भवन निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

जल जीवन मिशन- जल जीवन मिशन के अधिकारियों को दो दिन में टामोटी क्षेत्र के सभी गांवों का भ्रमण कर पेयजल योजना का गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने और सभी गांवों में हर घर तक नल पाइपलाइन से पहुंचाने के निर्देश दिए। जल चौपाल एवं विभागीय जानकारी- जल चौपाल में ग्रामीणों को जल संरक्षण व जल संचय के लिए समझाइश दी गई। पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी तथा लाभ लेने की प्रक्रिया भी बताई।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस. कलेश, डीएफओ श्री एस.के. ऑटोदे सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे

जल चौपाल में टामोटी और आसपास के क्षेत्र के गांवों का जन सैलाब उमड़ पड़ा। रात्रि चौपाल में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से संबंधित 42 लिखित आवेदन ।

कलेक्टर ने समय सीमा में सभी आवेदनों का निराकरण करने का दिलाया विश्वास।

इस मौके पर वन मंडल अधिकारी श्री एस के ऑटोदे, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बीएस कलेश, एसडीएम सुश्री किरण आंजना शाहिद जिला अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन एवं महिलाएं उपस्थित थीं।

इस रात्रि चौपाल में कलेक्टर ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित भी किया।

जबलपुर क्रुज हादसे के विरोध में युवा कांग्रेस ने पर्यटन मंत्री का पुतला फूंका

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जबलपुर के बरगी डैम में क्रूज हादसे के दौरान हुई दुखद मौतों और इस मामले में सरकार की कथित लापरवाही को लेकर जिला युवा कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष दुर्गेश सिंह पटेल के नेतृत्व में प्रदेश के पर्यटन मंत्री धर्मेन्द्र लोधी का पुतला दहन कर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में एकत्रित हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने घटना को लेकर गहरा आक्रोश व्यक्त किया और प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रशासन और पर्यटन विभाग की अनदेखी के कारण निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने इस पूरे घटनाक्रम की उच्च स्तरीय जांच करने और दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग उठाई है।

इस दौरान युकां जिलाध्यक्ष श्री पटेल ने का कि यह दुर्घटना सरकार और पर्यटन विभाग की घोर लापरवाही का नतीजा है जिसने निर्दोष परिवारों को कभी न भरने वाले जख्म दिए हैं। बड़े शर्म की बात है कि प्रदेश में सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर क्रूज चलाए जा रहे हैं और जिम्मेदार मंत्री हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि दोषियों पर तुरंत कड़ी कार्रवाई नहीं की गई और पीड़ित परिवारों को उचित न्याय नहीं मिला, तो यह आंदोलन और भी उग्र रूप धारण करेगा।

हम सोई हुई सरकार को जगाने आए हैं और जब तक न्याय नहीं मिल जाता, हम शांत नहीं बैठेंगे। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर, जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष दुर्गेश सिंह पटेल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश फौजी, विजेश मालेचा, सत्यनारायण पाटीदार, मुकेश धाकड़, महेश पाटीदार, राजेंद्र सेठिया, दिलीप देवड़ा, वाहिद जैदी सहित जिला महासचिव नेहा कनकमल जैन, जीवन चौहान तथा विधानसभा अध्यक्ष बल्लू गुर्जर, राकेश पाटीदार, युकां ब्लॉक अध्यक्ष सम्यक जैन चौधरी, महावीर भाटी, मल्हारगढ़ विधानसभा उपाध्यक्ष राहुल यादव, मुकेश धनगर, आदर्श जोशी और कुमकुम सिसोदिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मनासा में अतिक्रमण हटाने के दौरान विवाद में CMO ने कांग्रेस नेता के खिलाफ करवाई FIR

महिलाओं द्वारा CMO की शिकायत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मनासा नगर के रामपुरा रोड स्थित अति प्राचीन बद्रीविशाल मंदिर की बेशकीमती जमीन को लेकर सोमवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। भारी पुलिस बल और राजस्व अमले की मौजूदगी में करीब 82 हजार स्क्वायर फीट भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। सुबह 8 बजे से शुरू हुई कार्रवाई शाम 5 बजे तक चली, जिसमें मंदिर की करीब 22 करोड़ रुपये (बाजार मूल्य लगभग 82 करोड़ रुपये) की जमीन को खाली कराकर तार फेंसिंग कर दी गई।

कार्रवाई के दौरान प्रभावित दुकानदारों, महिलाओं और कांग्रेस नेताओं ने जमकर विरोध किया, जिससे मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। विरोध इतना बढ़ा कि मामला थाने तक पहुंच गया। मनासा सीएमओ संजय पाटीदार ने कांग्रेस नेता एवं जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मनीष पोरवाल के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने की शिकायत दर्ज करवाई। वहीं दूसरी ओर महिलाओं के साथ धक्का-मुक्की के आरोप लगाते हुए सीएमओ के खिलाफ भी मनासा थाने में आवेदन दिया गया है।

कांग्रेस नेता मनीष पोरवाल ने आरोप लगाया कि यह पूरी कार्रवाई भाजपा के इशारे पर की गई है और गरीब मजदूर परिवारों को नुकसान पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि बिना नोटिस दिए कार्रवाई करना गलत है और उन्होंने केवल इस पर सवाल उठाए थे। उन्होंने सीएमओ पर महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार और धक्का-मुक्की के भी आरोप लगाए।

वहीं सीएमओ संजय पाटीदार ने कहा कि प्रशासन द्वारा विधिवत कार्रवाई की जा रही थी, लेकिन मनीष पोरवाल ने उनके साथ दुर्व्यवहार करते हुए धक्का-मुक्की की और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई।

मनासा थाना प्रभारी नीलेश अवस्थी ने बताया कि सीएमओ की शिकायत पर मालाहेड़ा निवासी मनीष पोरवाल पिता उंकारलाल पोरवाल के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

दीपक गुर्जर को समझाया, धरना समाप्त, अफीम गोदाम मार्ग स्थाई रूप से नहीं होगा बंद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सरदार पटेल चैराहा पर व्यवस्था परिवर्तन करते हुये पुलिस प्रशासन द्वारा तार बंगला- अफीम गोदाम मार्ग को बेरिकेटिंग करते हुये बंद कर दिया गया है। मंदसौर नगर के हजारो नागरिको को हो रही परेशानी को देखते हुये जिला पंचायत सदस्य दीपक सिंह गुर्जर के नेतृत्व में मंदसौर नगर के समस्त जागरूक नागरिको के बेनर तले बेरिकेटिंग हटवाने के लिये सोमवार को आंदोलन प्रारंभ किया गया था। आंदोलन के द्वितीय दिवस जिला पंचायत सदस्य दीपक सिंह गुर्जर एवं उनके साथियो द्वारा आत्मदाह की चेतावनी उपरांत प्रशासन हरकत में आया और प्रतिनिधि से सार्थक चर्चा की। प्रतिनिधि के सदस्यो दीपक सिंह गुर्जर, पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश भाटी, वसीम खान आदी से चर्चा के दौरान एसपी विनोद कुमार मीना ने भरोसा दिलाया कि यह मार्ग प्रशासन द्वारा ड्रीम प्रोजेक्ट की मंशा के कारण बंद है जिसे वर्तमान में खोलना संभव नही है। ट्राफीक सिग्नल जो कि संभवतः एक या डेढ मार्ग में लग जायेगे उसके उपरांत मार्ग आमजन के लिये खोल दिया जायेगा। इस दौरान उन्होनें आंदोलनरत प्रतिनिधि मंडल से विभिन्न बिंदुओ पर शहर की यातायात व्यवस्था के संबंध में विस्तार से चर्चा की। चर्चा उपरांत दीपक सिंह गुर्जर एवं साथियो ने आंदोलन स्थगित करने का फैसला किया।

बेरूखी के चलते आत्मदाह की दी थी चतावनी- आंदोलन के प्रथम दिवस सोमवार को सरदार पटेल चौराहे पुलिस चौकी में आंदोलनरत जिला पंचायत सदस्य दीपक सिंह गुर्जर एवं उनके साथियो से शहर कोतवाली प्रभारी पुष्पेन्द्रसिंह राठौर एवं यातायात स्टाफ के साथ चर्चा हुई, किन्तु इस दौरान ठोस आश्वासन नही मिलने के चलते आंदोलन द्वितीय दिवस में प्रवेश किया। प्रशासन द्वारा आंदोलन के प्रति बेरूखी से नाराज होकर जिला पंचायत सदस्य दीपक सिंह गुर्जर एवं उनके साथियो द्वारा बुधवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर आत्मदाह की चेतावनी। उपरांत दोपहर को जिला पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना द्वारा बातचीत के लिये आमंत्रित किया, जिसके उपरांत यह फैसला किया गया।

कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट से हरी झंडी दिखाकर रात्रि चौपाल के लिए रवाना किया अधिकारियों का दल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण क्षेत्रों में जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित रात्रि चौपाल हेतु मंगलवार को कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कलेक्ट्रेट परिसर नीमच से अधिकारियों के वाहन को हरी झंडी दिखाकर ग्राम टामोटी के लिए रवाना किया।

अधिकारियों का दल रवाना- कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा स्वयं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, अपर कलेक्टर श्री बी.एस. कलेश एवं वन मंडल अधिकारी श्री एस.के. ऑटोदे के साथ इसी यात्री वाहन से जिलाधिकारियों के दल के साथ रात्रि चौपाल के लिए रवाना हुए।

रात्रि चौपाल का उद्देश्य- ग्राम टामोटी में आयोजित रात्रि चौपाल में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनेंगे तथा मौके पर ही निराकरण की कार्रवाई करेंगे। साथ ही शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि रात्रि चौपाल में प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता रखी जाए।

दलौदा में 7 अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनों का लोकार्पण आज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रोटरी क्लब मंदसौर द्वारा मानवता की सेवा में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया जा रहा है। रोटरी इंटरनेशनल की प्रतिष्ठित ग्लोबल ग्रांट परियोजना के माध्यम से भगवान श्री महावीर स्वास्थ्य केंद्र, दलौदा में 7 नवीन डायलिसिस मशीनों की स्थापना की गई है। इस महत्वाकांक्षी सेवा प्रोजेक्ट का भव्य लोकार्पण समारोह आज, 6 मई, बुधवार को गुरु भगवन्तों के पावन सानिध्य में संपन्न होगा। उपाध्याय प्रवर श्री गौतममुनिजी म.सा., बहुश्रुत प्रवर्तक श्री विजयमुनिजी म.सा., उपप्रवर्तक श्री अरुणमुनिजी म.सा. एवं साध्वीश्री डॉ.कुमुदलता श्रीजी म.सा. के मंगल प्रवचन प्रातः 9 बजे से होंगे। प्रवचन पश्चात प्रातः 10 बजे विधिवत लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित होगा।

महावीर स्वास्थ्य केंद्र के महामंत्री राजेश संचेती ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि, संस्थान में 5 डायलिसिस मशीनें पहले से ही सफलतापूर्वक संचालित की जा रही थीं। अब रोटरी क्लब के सहयोग से 7 नई मशीनें आने के बाद यहाँ कुल 12 डायलिसिस मशीनों का विशाल सेटअप हो जाएगा। इससे दलौदा सहित आसपास के दर्जनों गाँवों के निर्धन और मध्यमवर्गीय मरीजों को लाभ मिलेगा। अब एक साथ अधिक मरीजों का उपचार संभव होगा, जिससे वेटिंग लिस्ट खत्म होगी और मरीजों को समय पर इलाज मिल सकेगा।

प्रोजेक्ट के तकनीकी पक्ष पर प्रकाश डालते हुए रोटरी क्लब मंदसौर के सचिव रोटे. कपिल भंडारी ने बताया कि, रोटरी की ग्लोबल ग्रांट प्रक्रिया सेवा की दुनिया में सबसे पारदर्शी और प्रभावी प्रणाली है। इसके लिए सबसे पहले स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य जरूरतों का कम्युनिटी असेसमेंट सर्वे किया जाता है। इसके बाद अंतरराष्टीय रोटरी क्लबों के साथ साझेदारी कर रोटरी फाउंडेशन (ञत्रञ्ज) को प्रस्ताव भेजा जाता है। फाउंडेशन द्वारा प्रदान किए गए अनुदान से ही आज हम डायलिसिस की 7 नवीन अत्याधुनिक मशीनें स्थापित करने में सफल हुए हैं। लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर श्री सुशील मल्होत्रा होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, मंदसौर विधायक विपिन जैन एवं पूर्व विधायक व भाजपा प्रदेश प्रवक्ता यशपालसिंह सिसौदिया उपस्थित रहेंगे। रोटरी डिस्ट्रिक्ट टीम से श्री सुखदेवसिंह घुम्मन, गजेन्द्रसिंह नारंग, श नितिन झफरिया, रूबी महोत्रा और श्री प्रशांत श्रॉफ एवं असिस्टेंट गवर्नर संजय गोठी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इस सेवाप्रकल्प के सहयोगी दानदाता आनंदीलाल कोमलसिंह दुग्गड़ परिवार, राजीव चौधरी परिवार एवं राजेन्द्र डाकोलिया परिवार का बहुमान भी रोटरी क्लब मंदसौर परिवार द्वारा किया जाएगा। रोटरी अध्यक्ष रोटे. भूपेन्द्र सोनी एवं महावीर स्वास्थ्य केंद्र के अध्यक्ष रमेश भण्डारी ने बताया कि यह सबके सामूहिक प्रयासों का ही फल है कि आज दलौदा चिकित्सा सेवा का एक बड़ा केंद्र बनने जा रहा है और भविष्य में भी यहां आवश्यकतानुसार नई सुविधाएं प्रारंभ कि जाएगी। निश्चित रूप रोटरी का यह प्रोजेक्ट क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा।

ग्राम खानखेड़ी में अवैध रूप से भंडारित 150 घनमीटर रेत जप्त, 20 मई तक दावा प्रस्तुत करें

दावा न करने पर रेत शासन हित में राजसात कर की जाएगी नीलामी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रभारी अधिकारी खनिज नीमच ने बताया, कि 7 अप्रैल 2026 को खानखेड़ी में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मनासा, तहसीलदार मनासा, प्रभारी अधिकारी खनिज नीमच एवं प्र. खनि निरीक्षक नीमच द्वारा संयुक्त रूप से जांच की गई थी।

जांच का विवरण- जांच के दौरान ग्राम खानखेड़ी, गांधी सागर डूब क्षेत्र की शासकीय भूमि सर्वे नंबर 564 पर अवैध रूप से रेत का भण्डारण किया जाना पाया गया। रेत भण्डारण से संबंधित कोई भी व्यक्ति मौके पर नहीं आया।

जप्ती की कार्रवाई- मौके से रेत जप्त कर पुराना जनपद पंचायत कार्यालय मनासा में 150 घनमीटर रेत सुरक्षित रखी गयी है।

दावा प्रस्तुत करे उक्त रेत जिस किसी की भी हो वह 20 मई 2026 तक, कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मनासा में उपस्थित होकर रेत से संबंधित अपना जवाब एवं वैध दस्तावेज प्रस्तुत करे।

महत्वपूर्ण नियत तिथि 20 मई 2026 के पश्चात उक्त रेत को अज्ञात मानते हुए शासन हित में राजसात कर निर्वतन/नीलामी की कार्यवाही की जावेगी। इसके बाद किसी भी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।

सम्पादकीय

प्रजातंत्र, वैचारिक स्वतंत्रता ही उसकी आत्मा और वास्तविक स्वरूप

प्रजातंत्र केवल शासन प्रणाली नहीं, बल्कि नागरिकों और समाज की स्वतंत्र अभिव्यक्ति का जीवंत मंच है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सेना या अर्थव्यवस्था से पहले उसके विचारों की स्वतंत्रता और सामाजिक चेतना में निहित होती है। जब नागरिक बिना भय के सोच सकते हैं, बोल सकते हैं और अपने विचार साझा कर सकते हैं, तभी एक सशक्त, प्रगतिशील और जीवंत लोकतंत्र का निर्माण होता है। हर देश में ऐसे चिंतनशील व्यक्तियों और समूहों का होना आवश्यक है, जो राष्ट्रहित, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकास के सिद्धांतों को नई ऊर्जा प्रदान करें। संस्कृति, संस्कार और वैचारिक परिपक्वता के बिना कोई भी राष्ट्र वैश्विक मंच पर स्थायी प्रगति नहीं कर सकता। विचार केवल शब्द नहीं होते, वे समाज की दिशा और दशा तय करने वाली शक्तियाँ होते हैं।

व्यक्तिगत वैचारिक अभिव्यक्ति भारत जैसे गणतांत्रिक देश की मूल आत्मा है। विचार और सिद्धांत मनुष्य की अंतःप्रज्ञा का प्रतिबिंब होते हैं। यदि इन विचारों के प्रवाह को रोका जाए, तो यह केवल अभिव्यक्ति का दमन नहीं, बल्कि व्यक्ति की अंतरात्मा को आहत करना होता है। इतिहास साक्षी है कि जब भी विचारों को दबाने का प्रयास हुआ, उन्होंने और अधिक तीव्र होकर समाज में परिवर्तन की लहर पैदा की।

प्राचीन यूनान के महान दार्शनिक सुकरात इसका सजीव उदाहरण हैं। साधारण रूप-रंग के बावजूद उनके विचारों में अद्भुत मौलिकता और जनजागरण की शक्ति थी। राजसत्ता ने उनके विचारों को खतरा मानकर उन्हें मृत्युदंड दे दिया, परंतु विष का प्याला पीने के बाद भी उनके विचार अमर हो गए। आज भी उनकी शिक्षाएं मानवता को दिशा प्रदान करती हैं।

इसी प्रकार अब्राहम लिंकन ने दास प्रथा के विरुद्ध जो विचार प्रस्तुत किए, वे उस समय अत्यंत क्रांतिकारी थे। उन्होंने कहा कि दास भी मनुष्य हैं और उन्हें समान अधिकार मिलना चाहिए। उनके इन विचारों ने समाज की अंतरात्मा को झकझोर दिया। यद्यपि उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी, पर उनके विचारों ने दास प्रथा के अंत की नींव रखी और मानवाधिकारों की नई परिभाषा गढ़ी।

स्वामी विवेकानंद के शब्द हम जो सोचते हैं, वही बन जाते हैं आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उनके अनुसार विचार ही मनुष्य का निर्माण करते हैं, वही उसे महान या दुष्ट बनाते हैं। व्यक्ति का अस्तित्व उसके विचारों से ही परिभाषित होता है। भौतिक शरीर भले ही नष्ट हो जाए, पर विचारों की शक्ति और प्रभाव कालातीत होते हैं।

आज के डिजिटल युग में यह विषय और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। सोशल मीडिया, सूचना प्रौद्योगिकी और वैश्विक संवाद के माध्यमों ने विचारों के प्रसार को तीव्र और व्यापक बना दिया है। एक व्यक्ति का विचार अब कुछ ही क्षणों में लाखों लोगों तक पहुँच सकता है। यही कारण है कि विचार अब केवल व्यक्तिगत नहीं रहते, वे जनांदोलन का रूप धारण कर सकते हैं।.इतिहास में फ्रांसीसी क्रांति इसका सशक्त उदाहरण है, जहाँ जनमानस में जागृत विचारों ने राजसत्ता की जड़ों को हिला दिया। इसी प्रकार भारत का स्वतंत्रता संग्राम भी विचारों और सिद्धांतों की शक्ति का परिणाम था, जहाँ लाखों लोगों ने एक साझा विचारधारा के तहत संघर्ष किया।

हालाँकि, विश्व के कुछ देशों में आज भी विचारों की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाए जाते हैं। अभिव्यक्ति के माध्यमों को नियंत्रित कर वैचारिक प्रवाह को सीमित करने का प्रयास किया जाता है। यह न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है, बल्कि मानवाधिकारों का भी उल्लंघन है। विचारों को कैद नहीं किया जा सकता वे स्वभावतः स्वतंत्र, गतिशील और अजेय होते हैं।

यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को दबाया जा सकता है, पर विचारों को नहीं। विचार एक से दूसरे व्यक्ति तक पहुँचते हुए और अधिक सशक्त होते जाते हैं। जब एक विचार जनमानस में उतर जाता है, तो वह अकेले व्यक्ति का नहीं रह जाता, बल्कि सामूहिक चेतना का हिस्सा बन जाता है। यही वह क्षण होता है, जब परिवर्तन की शुरुआत होती है और युग निर्माण का मार्ग प्रशस्त होता है। अतः किसी भी स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र के लिए आवश्यक है कि वह अपने नागरिकों को विचारों की स्वतंत्रता प्रदान करे, उन्हें नवीनता और उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करे। क्योंकि विचार ही वह शक्ति हैं, जो समाज को दिशा देते हैं, राष्ट्र को ऊँचाइयों तक ले जाते हैं और मानवता को आगे बढ़ाते हैं।

सकारात्मक सोच और ध्यान सहजयोग का गहरा संबंध

आज के तनावपूर्ण और तेज़ रफ्तार जीवन में मानसिक शांति और संतुलन बनाए रखना एक चुनौती बन गया है। ऐसे समय में सकारात्मक सोच और ध्यान (मेडिटेशन) दो ऐसे स्तंभ हैं जो न केवल हमारे मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि जीवन को एक नई दिशा भी देते हैं। सहजयोग के संदर्भ में इन दोनों का संबंध अत्यंत गहरा और स्वाभाविक है।

सकारात्मक सोच क्या है- सकारात्मक सोच केवल अच्छा सोचने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी मानसिक अवस्था है जिसमें व्यक्ति परिस्थितियों को संतुलित और आशावादी दृष्टिकोण से देखता है। यह हमें निराशा, भय और नकारात्मकता से दूर रखती है।

ध्यान (सहजयोग) क्या है- सहजयोग एक सरल और प्राकृतिक ध्यान पद्धति है, जिसमें कुंडलिनी जागरण के माध्यम से व्यक्ति आत्म-साक्षात्कार प्राप्त करता है। इस प्रक्रिया में मन शांत होता है और व्यक्ति वर्तमान क्षण में स्थित हो जाता है। सहजयोग में ध्यान बिना किसी जोर-ज़बरदस्ती के सहज रूप से घटित होता है।

सकारात्मक सोच और ध्यान का संबंध- सकारात्मक सोच और ध्यान एक-दूसरे के पूरक हैं। सहजयोग के अभ्यास से यह संबंध और भी स्पष्ट हो जाता है-

1. मन की शुद्धि और स्थिरता- ध्यान करने से मन की चंचलता कम होती है और विचारों की संख्या घटती है। जब मन शांत होता है, तब नकारात्मक विचार स्वतः कम होने लगते हैं और सकारात्मक सोच विकसित होती है।

2. आत्म-जागरूकता का विकास- सहजयोग हमें अपने भीतर झांकने की प्रेरणा देता है। जैसे-जैसे हम स्वयं को समझते हैं, हम अपनी कमजोरियों और शक्तियों को पहचानते हैं, जिससे सोच सकारात्मक दिशा में बदलती है।

3. भावनात्मक संतुलन- ध्यान के नियमित अभ्यास से क्रोध, चिंता और भय जैसे भाव नियंत्रित होते हैं। इससे व्यक्ति अधिक संतुलित और शांत रहता है, जो सकारात्मक सोच की नींव है।

4. वर्तमान में जीने की कला- सहजयोग हमें वर्तमान क्षण में जीना सिखाता है। जब हम अतीत या भविष्य की चिंताओं से मुक्त होते हैं, तो हमारा दृष्टिकोण स्वाभाविक रूप से सकारात्मक हो जाता है।

5. आंतरिक आनंद की अनुभूति- ध्यान के माध्यम से मिलने वाला आंतरिक आनंद बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं होता। यह स्थायी खुशी हमें जीवन के प्रति सकारात्मक बनाती है।

यदि हम नियमित रूप से सहजयोग का अभ्यास करें, तो न केवल हमारी सोच सकारात्मक होगी, बल्कि हमारा पूरा जीवन संतुलित, शांत और आनंदमय बन सकता है।

दीदी का 'द एंड'? भवानीपुर की हार ने लिखी सियासी विदाई की पटकथा

सियासी फलक पर आज ऐसा सूरज डूबा है, जिसने वर्षों तक बंगाल की दिशा तय की थी। 4 मई 2026 का दिन राज्य की राजनीति में एक युगांतकारी मोड़ बनकर दर्ज हो गया। ममता बनर्जी, जिन्हें 'दीदी' कहकर सम्मान दिया जाता था, अब पराजय की प्रतीक बन चुकी हैं। भवानीपुर में सुवेंदु अधिकारी ने उन्हें 15,105 वोटों से हराकर यह स्पष्ट कर दिया कि कोई भी गढ़ अब अजेय नहीं रहा। जनता का निर्णय न केवल स्पष्ट, बल्कि कठोर और अंतिम है। 15 वर्षों से कायम टीएमसी सत्ता का ढांचा आज पूरी तरह भरभराकर गिर पड़ा। बीजेपी ने बहुमत के साथ 200 से अधिक सीटें जीतकर बंगाल में 'पोरिबर्तन 2.0' की ऐतिहासिक इबारत लिख दी। ममता की यह करारी हार केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि एक पूरी विचारधारा और शासन शैली की हार बन गई है।

जनता के धैर्य का बाँध अंततः टूट गया और उसका तीव्र प्रतिफल इस करारी पराजय में स्पष्ट झलक उठा। संदेशखाली में महिलाओं पर अत्याचार, आरजी कर अस्पताल प्रकरण, शिक्षक भर्ती घोटाला तथा लाखों युवाओं की बेरोजगारी–इन सभी ने ममता की 'ममता' वाली छवि को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। भवानीपुर, जिसे उनका अभेद्य गढ़ माना जाता था, वहीं सुवेंदु ने 15,105 मतों से उन्हें निर्णायक शिकस्त दी। मतगणना के प्रत्येक चरण में टीएमसी की स्थिति लगातार कमजोर पड़ती गई। कभी 'स्ट्रीट फाइटर' के रूप में पहचानी जाने वाली ममता की छवि अब धूमिल स्मृति बनकर रह गई है। जनता ने स्पष्ट, कठोर और अंतिम संदेश दे दिया–अब और नहीं। इस चुनाव में महिलाओं और युवा मतदाताओं की भूमिका खासतौर पर निर्णायक रही, जिन्होंने संदेशखाली और आरजी कर जैसे मुद्दों पर खुलकर अपना गुस्सा दिखाया।

सत्ता का चक्र इस बार ऐसा पलटा कि 2021 की टीस 2026 में दुगुनी धार बनकर लौटी। 2021 में महज 1,956 वोटों से मिली हार के बाद ममता ने भवानीपुर का सहारा लिया था, लेकिन इस बार भवानीपुर में उनका आधार बिखर गया। सुवेंदु अधिकारी, जो कभी टीएमसी के भीतर थे, आज बीजेपी के सबसे धारदार हथियार बनकर उभरे। हिंदू वोटों का एकीकरण, मुस्लिम वोट बैंक में दरार और विकास की तीव्र मांग ने ममता को चारों ओर से घेर लिया। भवानीपुर जैसे शहरी क्षेत्र में भी बदलाव की लहर इतनी प्रबल थी कि उनका कोई प्रभाव नहीं चल पाया। राजनीति का यह कठोर सच फिर सामने आया–जो जनता की आवाज नहीं सुनता, जनता उसे सत्ता से बेदखल कर देती है।

सियासत के इस मोड़ पर सबसे बड़ा प्रश्न अब यही उठ रहा है–क्या ममता अब सक्रिय राजनीति से संन्यास लेंगी? 71 वर्ष की उम्र, लगातार स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां, दल के भीतर बढ़ती असंतोष की लहर और भवानीपुर से मिली करारी हार के बाद उनके विकल्प बेहद सीमित रह गए हैं। टीएमसी के कई वरिष्ठ नेता पहले ही बीजेपी की ओर रुख करते दिखाई दे रहे हैं। यदि ममता सदन तक नहीं पहुंच पातीं, तो उनका विपक्षी चेहरा भी काफी कमजोर पड़ जाएगा। क्या वे अब राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष को एकजुट करने का प्रयास करेंगी, या बंगाल की राजनीति से हमेशा के लिए दूरी बना लेंगी? कई विश्लेषक इसे उनके राजनीतिक करियर का बड़ा मोड़ मान रहे हैं। 'दिल्ली पर कब्जा' का नारा अब केवल खोखली गूंज बनकर रह गया है। ममता बनर्जी ने परिणाम आने के बाद चुनाव आयोग पर भारी अनियमितताओं और साजिश का आरोप लगाया, साथ ही केंद्रीय बलों पर कार्यकर्ताओं पर अत्याचार का आरोप भी लगाया।

संघर्ष की आग में तपकर उभरा यह नेतृत्व, लंबे सत्ता काल में अपनी ही चमक खो बैठा–ममता के साथ भी यही हुआ। उन्होंने लेफ्ट के 34 साल के शासन को ध्वस्त किया था, पर अपनी 15 साल की सत्ता में वही भूलें दोहराईं–परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण। बीजेपी की सरकार बनने के बाद अब आयुष्मान भारत, सुदृढ़ कानून व्यवस्था और तेज औद्योगिक निवेश की नई उम्मीद जाग उठी है। बंगाल के युवा और महिलाएं, जो आरजी कर और सैंडेशखाली के बाद सड़कों पर उतरे थे, आज खुलकर जीत का उत्सव मना रहे हैं। इस बार महिलाओं और नए मतदाताओं का समर्थन निर्णायक साबित हुआ। ममता की हार केवल सीटों की नहीं, बल्कि भरोसे और विश्वसनीयता की गहरी पराजय है।

सियासी भूचाल ने टीएमसी की जड़ों तक को हिला दिया है–भवानीपुर में मिली अंतिम हार इसका स्पष्ट संकेत है। घोटालों और हिंसा के आरोपों से पहले ही घिरी पार्टी अब नेतृत्व के संकट से जूझ रही है। ममता के बिना टीएमसी का भविष्य अनिश्चित दिखाई दे रहा है, और कई नेता पाला बदलने की तैयारी में हैं। बीजेपी की 'लोटस फ्रॉम गंगोत्री टू गंगासागर' रणनीति पूरी तरह सफल रही। पीएम मोदी ने इसे जनता की विजय बताया। बंगाल में पहली बार बीजेपी सरकार बनने की स्थिति बन चुकी है। यह परिवर्तन केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि पूरे पूर्वी भारत के राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव है। 2029 के लोकसभा चुनाव के लिए भी इससे नए द्वार खुल गए हैं।

बंगाल के आकाश पर अब एक नई भोर की किरण साफ झलक रही है। ममता बनर्जी की भवानीपुर हार केवल एक नेता की पराजय नहीं, बल्कि 15 वर्षों से चले आ रहे भ्रष्टाचार, हिंसा और तुष्टिकरण के पूरे मॉडल का पतन है। इतिहास बार-बार यही सिखाता है कि जो समय के साथ कदम नहीं मिलाता, समय उसे पीछे छोड़ देता है। ममता संन्यास लें या संघर्ष जारी रखें, बंगाल अब विकास, सुरक्षा और सुशासन की दिशा में आगे बढ़ चुका है। अब प्रश्न यह नहीं कि ममता क्या करेंगी, बल्कि यह है कि नई सरकार राज्य को कितनी तेजी से प्रगति की ओर ले जाएगी। जनता ने अपना निर्णय सुना दिया है–और यह निर्णय अंतिम है।

-प्रो. आरके जैन

तमिलनाडु से केरल और बंगाल तक बदलाव की लहर, अब वादे निभाने की बारी

असम और केंद्र शासित प्रदेश पुदुच्चेरी को छोड़ दिया जाए तो ताजा विधान सभा चुनाव परिणामों का प्रमुख संदेश यही है कि मतदाता बदलाव चाहते हैं। दो साल पहले अभिनेता से राजनेता बने जोसेफ विजय चंद्रशेखर (लोकप्रिय नाम विजय) द्वारा बनाई गई पार्टी तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) की कामयाबी इसका बेहतरीन उदाहरण है। टीवीके ने तमिलनाडु के दो पुराने राजनीतिक दलों सत्ताधारी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (एआईएडीएमके) को न केवल कड़ी चुनौती दी बल्कि सबसे बड़ा दल बनकर भी उभरी।

विजय ने अपनी विराट सितारा छवि और शक्ति का उपयोग एक 'परिवर्तनकारी' विकल्प के रूप में किया जिसमें नकद और सोने जैसी भारी मुफ्त सुविधाओं के ऐलान के साथ-साथ महिलाओं और युवा मतदाताओं को लक्षित करने वाली छात्रवृत्तियों के प्रस्ताव भी शामिल थे। ये सभी बड़ी संख्या में मतदान करने आए। केरलम में मतदाताओं ने अपनी पारंपरिक प्रवृत्ति की ओर लौटते हुए दो स्थापित राजनीतिक गठबंधनों की अदला-बदली जारी रखी है। कांग्रेस-नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने पिनाराई विजयन के लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट की ऐतिहासिक दो कार्यकालों की जीत को बड़े अंतर से पलट दिया।

सत्ताविरोधी भावना का सबसे स्पष्ट सबक पश्चिम बंगाल से निकला जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आखिरकार ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को 15 साल के बाद सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने की अपनी हसरत पूरी कर ली। प्रदेश में दोनों चरणों में रिकॉर्ड मतदान हुआ था। मतदान और जीत का पैमाना दोनों यह स्पष्ट करते हैं कि विवादास्पद विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की चुनाव परिणामों में बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका नहीं रही।

तृणमूल कांग्रेस ने इसे चुनाव अभियान के केंद्र में रखकर गलत आकलन किया। परंतु इससे ममता बनर्जी के शासन की अस्थिर होती प्रकृति को कम करके दिखाने में कोई मदद नहीं मिली। निवेश में ठहराव, पार्टी में बढ़ता भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा को लेकर समानुभूति का न होना और बढ़ती राजनीतिक हिंसा। इन सभी ने युवा मतदाताओं और महिलाओं को पार्टी से विमुख करने में अहम भूमिका निभाई।

तृणमूल कांग्रेस की सरकार का आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जैसी केंद्रीय योजनाओं का विरोध करना भी इसमें अहम हो सकता है। ममता बनर्जी की अल्पसंख्यकों को 'सुरक्षित' वोट बैंक के रूप में तुष्ट करने की नीति भी उनके खिलाफ गई। और भाजपा एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में सामने आई। यह ममता बनर्जी के शासन रिकॉर्ड के बारे में बहुत कुछ कहता है कि भाजपा ने कई मुस्लिम-बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में उल्लेखनीय पैठ बनाई है। एक बार अंतिम परिणाम आने के बाद, शासन का वास्तविक कामकाज ही आने वाली सरकारों की क्षमता की परीक्षा लेगा। तमिलनाडु में, जहां टीवीके को सरकार बनाने के लिए संभवतः सहयोगियों की आवश्यकता होगी वहां विजय को यह आभास हो सकता है।

-सुनील कुमार महला

बंगाल विजयः संघ की जमीनी साधना शांति से शक्ति तक

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक, अद्भुत, अविस्मरणीय एवं करिश्माई जीत के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की बहुत बड़ी भूमिका रही है। निश्चिततौर पर इस शानदार जीत के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह मुख्य भूमिका में हैं। लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी की मजबूत चुनौती के सामने भाजपा की जीत के लिए संघ लंबे समय से मेहनत कर रही थी और उसकी वह मेहनत ही जीत का सशक्त माध्यम बनी है। पश्चिम बंगाल में लगातार चल रही हिन्दू विरोधी गतिविधियों एवं मुसलमानों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए संघ ने इस चुनाव के मद्देनजर बहुत पहले से ही कमर कस ली थी, संघ ने पश्चिम बंगाल में 1.75 लाख से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें आयोजित कीं। पिछले 15 सालों में संघ ने पश्चिम बंगाल में तेजी से विस्तार किया है और एक मजबूत 'हिंदू वोट बैंक' तैयार किया है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों में संघ की शाखाओं की संख्या 900 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच गई है। संघ के स्वयंसेवकों ने पश्चिम बंगाल में घर-घर जाकर 'बंग बचाओ' इस थीम पर 'मतदाता जागरूकता अभियान' चलाया। संघ की माइक्रो प्लानिंग ने बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई और सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनी। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक 'मील का पत्थर' और ऐतिहासिक सफलता साबित हुआ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है। जहां एक ओर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का आक्रामक चुनाव प्रचार केंद्र में रहा, वहीं दूसरी ओर संघ से जुड़े कार्यकर्ताओं ने अपेक्षाकृत शांत रहकर 'निःशब्द विप्लव' या 'मूक क्रांति' को अंजाम देते हुए जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर ध्यान दिया। बंगाल की अस्मिता, विकास और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को आधार बनाकर जनजागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला, युवा, प्रबुद्ध वर्ग, किसान, श्रमिक और अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तक अलग-अलग तरीकों से पहुंचने की कोशिश की गई।

निश्चिततौर पर पश्चिम बंगाल की राजनीति ने वर्ष 2026 में जो ऐतिहासिक करवट ली, वह केवल सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं है, बल्कि एक गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का संकेत भी है। लंबे समय तक वामपंथी प्रभाव और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा, लेकिन इस बार जनमत ने जिस प्रकार से भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से झुकाव दिखाया, उसने स्थापित राजनीतिक धारणाओं को चुनौती दी है। इस परिवर्तन के मूल में जो शक्ति को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी रही है तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसने एक अदृश्य लेकिन अत्यंत प्रभावशाली भूमिका निभाई है। यह विजय केवल चुनावी रणनीतियों का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहे संगठनात्मक परिश्रम, वैचारिक विस्तार और समाज के भीतर गहराई तक किए गए संवाद का परिणाम है। पश्चिम बंगाल में संघ का विस्तार किसी तात्कालिक राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं था, बल्कि यह एक दीर्घकालिक सामाजिक दृष्टि का हिस्सा था। पिछले डेढ़ दशक में संघ ने प्रांत में जिस प्रकार अपनी शाखाओं का विस्तार किया और समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बनाई, उसने एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार किया। यह कार्य किसी प्रचार की तरह नहीं, बल्कि एक शांत सामाजिक प्रक्रिया एवं क्रांति की तरह हुआ, जिसने धीरे-धीरे जनमानस को प्रभावित किया। यही कारण है कि जब चुनाव का समय आया, तो एक पहले से तैयार मानसिकता भाजपा के पक्ष में खड़ी दिखाई दी।

इस पूरे परिदृश्य में सरसंघचालक मोहन भागवत की रणनीतिक दृष्टि को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। उन्होंने बंगाल को केवल एक राजनीतिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक भूमि के रूप में देखा, भारत की अस्मिता के रूप में देखा। जिसकी अपनी विशिष्ट पहचान और परंपराएं हैं। संघ के प्रयासों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि उसने बंगाल की सांस्कृतिक चेतना को समझने और उससे जुड़ने का प्रयास किया। दुर्गा पूजा, काली पूजा और रामनवमी जैसे पर्वों को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे एक व्यापक सामाजिक जुड़ाव स्थापित हुआ। इस प्रक्रिया में हिंदुत्व को किसी बाहरी विचारधारा के रूप में नहीं, बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक आत्मा के एक स्वाभाविक विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया गया। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि बंगाली अस्मिता और हिंदुत्व परस्पर विरोधी हैं, लेकिन इस चुनाव में यह धारणा काफी हद तक टूटती हुई दिखाई दी। जय श्री राम के साथ जय मां काली और जय मां दुर्गा जैसे नारों का समन्वय केवल राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक संदेश था, जिसने यह स्थापित किया कि क्षेत्रीय पहचान और व्यापक सांस्कृतिक विचारधारा के बीच कोई टकराव नहीं है। इस समन्वय ने मतदाताओं के भीतर एक नई प्रकार की आत्मजागरूकता उत्पन्न की, जहां वे केवल विकास या योजनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव के आधार पर भी निर्णय लेने लगे।

चुनाव के दौरान जिस प्रकार से 'अस्तित्व' एवं 'अस्मिता' का विमर्श उभरा, उसने इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नई दिशा दी। संघ और भाजपा ने इसे केवल एक चुनावी मुकाबले के रूप में प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि एक वैचारिक संघर्ष के रूप में स्थापित किया, जिसमें पहचान और सम्मान के प्रश्न प्रमुख हो गए। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पर लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों ने इस विमर्श को और तीव्र किया, जिससे मतदाताओं के बीच एक स्पष्ट ध्रुवीकरण देखने को मिला। इस पूरे प्रक्रिया में संघ ने जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित कर इस विचार को सामाजिक स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठनात्मक दृष्टि से भी यह चुनाव एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि किस प्रकार मजबूत जमीनी ढांचा चुनावी सफलता का आधार बन सकता है। बूथ स्तर तक सक्रियता, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय, गुटबाजी पर नियंत्रण और नए-पुराने कार्यकर्ताओं का एकीकरण-इन सभी पहलुओं में संघ की भूमिका महत्वपूर्ण रही। यह केवल एक राजनीतिक दल का प्रयास नहीं था, बल्कि एक व्यापक संगठनात्मक सहयोग का परिणाम था, जिसने भाजपा को एक सशक्त चुनावी शक्ति के रूप में स्थापित किया।

इस जीत में नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और अमित शाह की रणनीतिक क्षमता ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन इन प्रयासों को प्रभावी बनाने के लिए जिस सामाजिक आधार की आवश्यकता थी, वह संघ ने तैयार किया। यही कारण है कि यह जीत केवल शीर्ष नेतृत्व की सफलता नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इस चुनाव में बंगाल के मध्यम वर्ग का झुकाव भी एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में सामने आया। यह वर्ग परंपरागत रूप से विचारशील और राजनीतिक रूप से सजग माना जाता है और इसका समर्थन किसी भी राजनीतिक दल के लिए निर्णायक होता है। संघ ने इस वर्ग के बीच संवाद और जागरूकता के माध्यम से एक वैचारिक आधार तैयार किया, जिससे यह वर्ग भाजपा के समर्थन में एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरा। इस पूरे परिवर्तन को जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दृष्टिकोण और उनके सपनों के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। उन्होंने जिस राष्ट्रवादी विचारधारा की नींव रखी थी, उसे आज बंगाल की धरती पर एक नए रूप में साकार होते हुए देखा जा रहा है। यह केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक भी है।

अंततः यह स्पष्ट होता है कि पश्चिम बंगाल 2026 का चुनाव केवल एक चुनावी घटना नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और वैचारिक परिवर्तन का प्रतीक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जिस प्रकार से वर्षों तक धैर्य और अनुशासन के साथ समाज के भीतर कार्य किया, वह आज परिणाम के रूप में सामने आया है। यह परिवर्तन यह संकेत देता है कि जब संगठनात्मक शक्ति, वैचारिक स्पष्टता और नेतृत्व की दिशा एक साथ मिलती है, तो वे न केवल राजनीतिक परिणामों को प्रभावित करती हैं, बल्कि समाज की दिशा को भी बदलने की क्षमता रखती हैं। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह परिवर्तन किस प्रकार आगे विकसित होता है और क्या यह केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित रहता है या एक स्थायी सामाजिक पुनर्जागरण का आधार बनता है।

-ललित गर्ग

रुपये को संभालने के फायदे कम, नुकसान ज्यादा

पिछले कुछ हफ्तों से सभी की नजरें रुपये पर टिकी हुई हैं। अमेरिकी मुद्रा डॉलर की तुलना में रुपये का लगातार फिसलना कौतूहल का विषय बनता जा रहा है। रुपये की चाल पर हो रही टीका-टिप्पणी में इसकी व्याख्या कमजोरी के संकेत के रूप में हो रही है। इसके साथ ही, रुपया संभालने के लिए केंद्रीय बैंकों द्वारा किए गए प्रयासों की अक्सर तारीफ भी हो रही है।

मगर यह दृष्टिकोण एक बुनियादी बात को नजरअंदाज करता है। यानी विनिमय दर एक मूल्य है और किसी भी अन्य मूल्य की तरह इसे मांग और आपूर्ति में बदलाव के अनुसार समायोजित करना पड़ता है। इसे कृत्रिम स्तर पर बनाए रखने की कोशिश करने से अंदरूनी असंतुलन दुरुस्त नहीं होता है। इससे बस संकट कुछ समय के लिए टल जाता है जिससे आगे होने वाली गिरावट और अधिक व्यवधान लेकर आती है।

इसे समझने के लिए एक जाने-पहचाने उदाहरण पर विचार करते हैं। जिस साल मॉनसून कमजोर होता है यानी कम बारिश होती है उसमें सब्जियों की आपूर्ति मांग से कम हो जाती है। इससे कीमतें बढ़ जाती हैं और फिर आगे की कवायद शुरू हो जाती है यानी लोग उपभोग कम कर देते हैं और किसानों को बाजार में यथासंभव अधिक से अधिक उपज लाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इससे मांग और आपूर्ति में असंतुलन स्वयं दुरुस्त होने लगता है। अब जरा कल्पना कीजिए कि सरकार कीमतें बढ़ने से रोकने के लिए हस्तक्षेप करना शुरू कर देती है।

मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर खत्म नहीं होता और यह बना रहता है। इसे नियंत्रित करने के लिए सरकार को बिक्री पर सीमा लगाने सहित अन्य प्रतिबंध लगाने पड़ते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि उपभोक्ताओं को कमी और सीमित पहुंच से जूझना पड़ता है जिससे हस्तक्षेप का मूल उद्देश्य ही विफल हो जाता है। यही कारण है कि सरकारें आमतौर पर कीमतें नियंत्रित करने की बजाय उन्हें समायोजित होने देती हैं। यही तर्क विदेशी मुद्रा बाजार पर भी लागू होता है। जब डॉलर की मांग आपूर्ति से अधिक हो जाती है तो डॉलर की कीमत बढ़ जाती है (और रुपये की कीमत गिर जाती है)। फिलहाल जो हम देख रहे हैं वह बाजार का बुनियादी समायोजन है।

तो डॉलर की मांग आपूर्ति से अधिक तेजी से क्यों बढ़ रही है? इसके दो मुख्य कारण हैं। सबसे पहले तो भारत का चालू खाता घाटा 2025-26 में लगभग 40 अरब डॉलर था मगर इसे पूरा करने के लिए विदेशी पूंजी की आमद अपर्याप्त थी। यह असंतुलन इस बात को समझने में सहायक है कि पिछले वर्ष रुपया पहले से ही दबाव में क्यों था। दूसरा, पश्चिम एशिया में युद्ध ने स्थिति और खराब कर दी है। प्रमुख आयातित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण चालू खाता घाटा और बढ़ने की आशंका है (संभवतः इस वर्ष लगभग 80 अरब डॉलर तक)। भारत के सामने एक कठिन चुनौती है यानी उसे लगभग 80 अरब डॉलर की विदेशी पूंजी आकर्षित करने की आवश्यकता है, जबकि यह ऐसा समय है कि वैश्विक निवेशक जोखिम से बचने लगे हैं और उभरते बाजारों से पैसा निकालकर सुरक्षित विकसित अर्थव्यवस्थाओं में झोंक रहे हैं।

ऐसी हालत में संतुलन बहाल करने का सबसे व्यावहारिक तरीका रुपये में गिरावट को जारी रहने देना है। अब सवाल उठता है कि आखिर इससे कैसे मदद मिलेगी? यह ठीक उसी तरह काम करेगा जैसे सब्जियों की ऊंची कीमतें संतुलन बहाल करती हैं (मांग कम कर और आपूर्ति प्रोत्साहित कर)। विनिमय दर दो प्रमुख माध्यमों से कार्य करती है। पहला, कमजोर रुपया व्यापार के माध्यम से संतुलन बहाल करने में मदद करता है। रुपये के अवमूल्यन से विदेशी खरीदारों के लिए भारतीय सामान सस्ते हो जाते हैं जिससे निर्यात बढ़ता है और अधिक डॉलर प्राप्त होते हैं।

साथ ही, आयात महंगा हो जाता है जिससे विदेशी सामानों की घरेलू मांग कम हो जाती है। ये दोनों प्रभाव मिलकर चालू खाता घाटे को कम करने में मदद करते हैं। दूसरा, कमजोर रुपये से विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय वित्तीय परिसंपत्तियां सस्ती हो जाती हैं। डॉलर के लिहाज से भारतीय शेयर और बॉन्ड सस्ते हो जाते हैं जिससे वे अधिक आकर्षक बन सकते हैं। इससे भारतीय बाजारों में विदेशी निवेश को प्रोत्साहन मिल सकता है जिससे अधिक डॉलर आते हैं और चालू खाता घाटा कम करने में मदद मिलती है।

इसके उलट अगर नीति-निर्माता विनिमय दर कृत्रिम स्तर पर बनाए रखने का प्रयास करते हैं तो अंतर्निहित असंतुलन दूर नहीं होता बल्कि यह बना रहता है और समय के साथ और भी बढ़ सकता है। इसका मुख्य कारण यह है कि बाजार 80 अरब डॉलर की जरूरत से अवगत है। केंद्रीय बैंक हर समय डॉलर बेचकर इसकी भरपाई नहीं कर सकता क्योंकि अंततः उसके भंडार समाप्त हो जाएंगे। जब तक यह अंतर स्वतः खत्म बंद होने की उम्मीद नहीं हो तब तक रुपये का कुछ हद तक अवमूल्यन अपरिहार्य हो जाता है। इस स्थिति का सामना करते हुए कंपनियां और परिवार स्वाभाविक रूप से अपनी संपत्ति की सुरक्षा के तरीके तलाशेंगी जिसमें इसका कुछ हिस्सा विदेश में स्थानांतरित करना भी शामिल है।

एक और चिंता का विषय है। जब केंद्रीय बैंक विनिमय दर को नियंत्रित करने का प्रयास करता है तो निजी क्षेत्र का ध्यान बाजार से मिले रहे संकेतों से हटकर केंद्रीय बैंक के अगले कदम का अनुमान लगाने पर केंद्रित हो जाता है। यह अनिश्चितता स्वयं अस्थिरता का कारण बन सकती है। अगर मुद्रा को प्रतिबंधों के माध्यम से सहारा दिया जाता है (जैसे हाल ही में सोने और चांदी के आयात पर लगाए गए प्रतिबंध) तो यह निजी क्षेत्र को अस्थिर कर सकता है और आगे के नियंत्रणों की आशंकाओं को बढ़ा सकता है।

ऐसी आशंकाएं एहतियाती व्यवहार को जन्म दे सकती हैं जिससे कंपनियां और लोग देश से धन बाहर निकालने लगते हैं जिससे रुपये पर दबाव और बढ़ जाता है। दूसरे शब्दों में केंद्रीय बैंक द्वारा रुपये को नियंत्रित करने के प्रयास लाभ से अधिक हानि पहुंचा सकते हैं। यानी केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप से विश्वास में कमी आएगी, अनिश्चितता बढ़ जाएगी और बाजार से मिलने वाले संकेत अस्पष्ट हो जाएंगे। इससे डॉलर की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर बढ़ सकता है, निवेश की रफ्तार कमजोर पड़ सकती है और आर्थिक सुधार जटिल हो सकता है।

-धनंजय राजौरा

अब खिलेगी बच्चों की मुस्कानः कलेक्टर के मार्गदर्शन में शुरू हुआ किलकारी अभियान 2.0

किलकारी अभियान 2.0 में माताओं और बच्चों के पोषण पर होगा विशेष ध्यान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से जिले में कलेक्टर ऋतुराज सिंह के मार्गदर्शन से अमलतास अस्पताल में किलकारी अभियान 2.0 का शुभारम्भ किया गया। अभियान के तहत चिन्हांकित कुपोषित बच्चों की चिकित्सालयों में विशेष स्क्रीनिंग की जा रही है। गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को 14 दिनों तक अस्पताल में भर्ती कर उनका निःशुल्क उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा द्वारा अमलतास हॉस्पिटल में स्क्रीनिंग एवं भर्ती बच्चों की माताओं से चर्चा कर चिकित्सकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। अमलतास हॉस्पिटल में 242 बच्चों की स्क्रीनिंग की जाकर 72 बच्चे भर्ती करवाए गए हैं। इसी प्रकार जिले की एनआरसी में सोनकच्छ 31, देवास 8, टोंकखुर्द 13, कन्नौद 50, खातेगांव 13 एवं बागली 38 बच्चे भर्ती करवाए गए हैं।

अभियान के तहत बच्चों के साथ-साथ उनकी माताओं के स्वास्थ्य और पोषण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। काउंसलिंग के माध्यम से उन्हें स्वच्छता, संतुलित एवं पौष्टिक आहार तैयार करने और बच्चों की देखभाल से जुड़ी शिक्षा दी जा रही है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को सफल बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग, शिक्षा विभाग, ग्रामीण विकास विभाग तथा अमलतास चिकित्सालय सामूहिक रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

देवास कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने इस अवसर पर कहा, बच्चों का पोषण हमारे देश का भविष्य तय करता है। 'किलकारी' अभियान हर बच्चे की मुस्कान और अच्छे स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा कदम है। जिला प्रशासन, अमलतास अस्पताल, और समस्त स्वास्थ्य व महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त पहल से यह कार्यक्रम जिले में कुपोषण के खिलाफ लड़ाई का एक मजबूत मंच बनेगा।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग ने बताया कि अमलतास हॉस्पिटल द्वारा बच्चों को लाने के लिए बस एवं मैजिक उपलब्ध करवाए गए हैं। बच्चों को निःशुल्क उपचार एवं नाश्ता भोजन उपलब्ध करवाया जा रहा है। जबकि एनआरसी में भर्ती करवाए गए बच्चों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क नाश्ता एवं भोजन तथा उपचार किया जा रहा है। शिक्षा एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा हॉस्टल एवं बेड उपलब्ध करवाए गए हैं।

अमलतास अस्पताल के चेयरमैन मयंकराज सिंह भदौरिया जी ने भी इस अवसर पर बताया कि अस्पताल इस अभियान को सफल बनाने के लिए हर संभव सहयोग करता रहेगा, जिससे समाज के हर बच्चे और माँ तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच सकें।

कार्यक्रम में अमलतास अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. महावीर खंडेलवाल, शिशुरोग विभागाध्यक्ष डॉ. नेहा काकानी, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. रतना शर्मा, मार्केटिंग डायरेक्टर अश्विन तंवर एवं समस्त टीम शामिल है।

परमात्मा के स्मरण से हो जाता है पापों का क्षय - साध्वी जी

धार्मिक संस्कारों के साथ हुआ तीन दिवसीय संस्कार शिविर का समापन

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। परमात्मा का स्मरण करने से मनुष्य के पाप कट जाते हैं और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। वर्तमान समय में बच्चों के लिए समय कैंप के साथ संस्कार शिविर भी जरूरी है जहां वे अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणा से जुड़ सकें।

उक्त आशीर्वचन पपू जैन साध्वी मनन कीर्ति श्रीजी मसा ने ओसवाल सेरी स्थित जैन उपाश्रय में महावीर पाठशाला द्वारा आयोजित तीन दिवसीय संस्कार शिविर के समापन अवसर पर बच्चों को प्रदान किए। इस अवसर पर पूज्य साध्वी धेर्यकीर्तिश्रीजी म.सा. भी विराजित रहे। समापन दिवस पर शिविर का शुभारंभ जैन साध्वियों के मंगलाचरण के साथ हुआ और उन्होंने बच्चों को धर्म, संस्कार और आध्यात्मिक जीवन के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। तत्पश्चात शिविर संचालिका विनीता चोपड़ा ने धार्मिक पाठशाला एवं संस्कारों का महत्व समझाया। वहीं पंकज मांडलिक ने द्विदल के बारे में जानकारी के साथ नियमों के पालन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। सौरभ नारेलिया ने बताया कि हर आत्मा परमात्मा बन सकती है। जरुरत है तो सिर्फ आत्म अवलोकन की। आशुतोष चोपड़ा ने बच्चों को बताया कि परमात्मा से मित्रता के लिए बच्चों को प्रेरित किया। डॉ. पराग जैन ने पांच महाव्रत के बारे में बताते हुए योग एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर शिविर संचालिका श्रीमती ज्योति जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर निक्षय नारेलिया ने नवकारसी सहित रात्रि भोजन त्याग का नियम लिया। शिविर के दौरान प्रतिदिन रचनात्मक गतिविधियां भी आयोजित की गई, जिसके पुरस्कारों का वितरण बच्चों को किया गया।शिविर के सफल आयोजन में संचालिका समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसमें श्रीमती ज्योति जैन, श्रीमती विनीता चोपड़ा, श्रीमती हेमा जैन, श्रीमती बिंदू जैन, श्रीमती रीना धारीवाल, श्रीमती रजनी जैन, श्रीमती अंकिता जैन एवं श्रीमती इशिका गोलेछा उपस्थित रहीं।

ये रहे शिविर के मुख्य लाभार्थी - मीडिया प्रभारी मंगल नाहर ने बताया कि तीन दिवसीय धार्मिक संस्कार शिविर के मुख्य लाभार्थी विनोदकुमार श्री श्रीमाल, जितेन्द्रकुमार नारेलिया, संजय जैन (मैनेजर), प्रतीक मांडलिक, आशुतोष चोपड़ा, मनीष जैन, राजू तातेड़, राहुल जैन (भरड़ वाले), अनिकेत पगारिया, आनंद जैन (दुपाड़ा वाले), दिनेश जैन, ओमप्रकाश जैन, कांतिलाल मांडलिक, महेश जैन (भरड़ वाले), श्रीमती रोमा अभिषेक जैन (सी.के.एस.), लोकेश मांडलिक (शक्कर वाले), निखिल जैन (शक्कर वाले) तथा अर्पण कोठारी उपस्थित थे।

सरपंच-सचिव ने हड़पी लाखों की राशि, उचित कार्रवाई की जाए

पूर्व सरपंच ने वर्तमान सरपंच और सचिव पर लगाए आरोप, की राशि दिलवाने और कार्रवाई की मांग

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की ग्राम पंचायत रिछोदा की पूर्व सरपंच बालकुंवर पति होकमसिंह ने वर्तमान सरपंच रामनाथसिंह और सचिव गोविन्दसिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कलेक्टर कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है कि उनके कार्यकाल के दौरान कराए गए निर्माण कार्य की बकाया राशि को वर्तमान पंचायत पदाधिकारियों ने बैंक खाते से निकालकर अपने पास रख लिया है और संबंधित वेंडरों को भुगतान नहीं किया जा रहा है।

शिकायत में बताया कि वर्ष 2018-19 में ग्राम पंचायत रिछोदा में राज्य स्तर स्टाम्प शुल्क की राशि से पंचायत भवन की बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ था। इस कार्य की कुल स्वीकृत राशि करीब 15 लाख लाख थी। पूर्व सरपंच के कार्यकाल में प्रथम किस्त के रूप में 7.50 लाख प्राप्त हुए थे, जिससे निर्माण कार्य पूरा कराया गया था। कार्य का मूल्यांकन भी पूर्व सरपंच के कार्यकाल में ही पूर्ण हो चुका था। शेष बकाया राशि 7 लाख 49 हजार 500 पूर्व सरपंच का कार्यकाल समाप्त होने के बाद 10 मार्च 2026 को ग्राम पंचायत के खाते में जमा हुई। शिकायतकर्ता बालकुंवर का आरोप है कि यह बकाया राशि उन व्यापारियों और सामग्री प्रदाताओं को दी जानी थी, जिनसे निर्माण के दौरान सामग्री ली गई थी। लेकिन वर्तमान सरपंच रामनाथसिंह और सचिव गोविन्दसिंह ने मिलीभगत कर दिनांक 24 मार्च 2026 को उक्त राशि पंचायत के खाते से निकाल ली। जिन्होंने संबंधित वेंडरों को भुगतान करने के बजाय अपने पास रख लिया है। पूर्व सरपंच ने बताया कि राशि का भुगतान न होने के कारण बाजार के व्यापारी उन पर लगातार पैसों के लिए दबाव बना रहे हैं, जिससे वे मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान हैं। कई बार मौखिक रूप से मांग करने के बाद भी जब सरपंच-सचिव ने राशि नहीं लौटाई, तो उन्होंने प्रशासन की शरण ली। कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन में पूर्व सरपंच ने मांग की है कि वर्तमान सरपंच और सचिव से बकाया राशि तत्काल दिलवाई जाए और शासकीय राशि का दुरुपयोग करने के मामले में दोनों के विरुद्ध उचित वैधानिक कार्यवाही की जाए।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने नागरिकों की समस्याएं सुन अधिकारियों को निराकरण के दिये निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने जनसुनवाई में आये आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कलेक्टर सिंह ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर संजीव कुमार जैन सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे।

कपिल धारा योजना में स्वीकृत कुएं की शेष राशि दिलाई जाए- जनसुनवाई में आवेदिका सुनिता पति तुलसीराम निवासी गुनेरी ने कपिल धारा योजना में स्वीकृत कुएं की शेष राशि दिलाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारी को नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

फसल बिमा राशि का भुगतान कराया जाए- जनसुनवाई में आवेदक राधेश्याम पिता सूरजमल निवासी पितावली ने फसल बीमा राशि का भुगतान कराने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर सिंह ने संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

शासकीय भूमि से अवैध कब्जा करने वालों पर कार्यवाही की जाए- जनसुनवाई में आवेदक प्रतीकसिंह ठाकुर ने आवेदन दिया कि ग्राम सिया में इण्डस्ट्रीयल एरिया में शासकीय भूमि पर कुछ लोगों द्वारा बड़ी मात्रा में प्लास्टिक पन्नी का असुरक्षित भंडारण किया जा रहा है। जो प्रदुषण व सुरक्षा की दृष्टि से गलत है। शासकीय भूमि से अवैध कब्जा करने वालों पर कार्यवाही की जाए। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर सिंह ने संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

पराली जलाने से झोपड़ी में आग लगने पर मुआवजा राशि दिलाई जाये- जनसुनवाई में आवेदक बाबुलाल निवासी भौंरासा ने पराली जलाने से झोपड़ी में आग लगने पर मुआवजा राशि दिलाई जाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर सिंह ने संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

ये आवेदन भी हुए प्राप्त- जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना, जमीन के सीमाकंन, बिजली बिल कम कराने, बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, नामाकंन, बंटवारा, रास्ते पर से अतिक्रमण हटवाने, नालियों की साफ-सफाई करने सहित अन्य आवेदन पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को जांच कर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

एक माह में मनाएंगे होली, दीपावली और नंद महोत्सव

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नवंबर में दीपावली, मार्च में होली मनाई जाती है। लेकिन नगर की 350 वर्ष प्राचीन पुष्टीमार्गी वैष्णव संप्रदाय से संबंध श्री गोवर्धन नाथ मंदिर हवेली में 17 मई से 15 जून तक अधिक मास प्रारंभ होने जा रहा है। जहां इस अवधि में पूरे वर्ष के त्यौहार मनाए जाएंगे। मंदिर के मुखिया निकुंज एवं योगेश मेहता ने बताया कि एक माह के पुरुषोत्तम मास के दौरान मंदिर हवेली को विशेष रूप से सजावट की जाएगी। मंदिर के विभिन्न उत्सवों के लिए मनोरथों के लिए विभिन्न समितियां गठित की जा चुकी है। श्री मेहता ने बताया कि पुरुषोत्तम मास जिसे अधिक मास कहा जाता है का पुष्टिमार्ग में बहुत अधिक महत्व है। इस दौरान एक माह में वैष्णवजन दान पुण्य, गीता पाठ, ठाकुर जी की भक्ति और ठाकुर जी के गीत मधुर भजनों मैं डूबे रहते हैं। इस एक माह में ठाकुर जी के विभिन्न मनोरथ और उत्सव शाजापुर और संपूर्ण भारतवर्ष की 12500 पुष्टिमार्ग हवेलियों में यह मनोरथ उत्सवों का आयोजन होता और भक्तजन ठाकुर जी के अलौकिक दर्शनों का लाभ लेते हैं। श्री मेहता ने बताया कि एक माह में विभिन्न मनोरथ होली, दीपावली, अन्नकूट 56 भोग, नंद महोत्सव काली घटा, पिलि घाटा, इंद्र दमन, नौका विहार, फूल डाल, तुलसी विवाह, माखन लीला, माखन चोरी, पालना दर्शन, राजभोग दर्शन, फूल फाग, शरद महोत्सव, नीली घटा, रथ यात्रा, फूलों की बगीची, जलविहार, गुलबी घाट, चुनरी मनोरथ, वन विहार, स्नान यात्रा, फल, फूल हिंडोला, दान लीला आदि मनोरथ वैष्णव जनों द्वारा भक्ति भाव के साथ मनाए जाएंगे। श्री मेहता ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में आकर आयोजनों में भाग लेकर उत्सवों का आनंद लेने का अनुरोध किया है।

जिले के 6 डाकघरों में आधार अपडेट के लिए विशेष अभियान 9 मई को

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आम नागरिकों की सुविधा के लिए 9 मई 2026 (शनिवार) को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक जिला देवास के छह डाकघरों में आधार नामांकन एवं अपडेट हेतू विशेष अभियान आयोजित किया जाएगा। इस अभियान के तहत प्रधान डाकघर देवास सहित सोनकच्छ, हाटपिपलिया, कन्नौद, खातेगांव एवं बागली उप डाकघरों में नागरिक अपने आधार कार्ड से जुड़े आवश्यक संशोधन जैसे नाम, पता, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर एवं बायोमेट्रिक अपडेट आसानी से करवा सकेंगे। यह सेवा भारत सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क पर उपलब्ध रहेगी। अभियान को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए संबंधित डाकघरों में अतिरिक्त व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे अधिक से अधिक लोगों को त्वरित और सहज सेवा मिल सके। श्री कैलाश चौहान सहायक अधीक्षक डाकघर देवास उप संभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि इस विशेष अभियान के लिए 7 एवं 8 मई 2026 को संबंधित डाकघरों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक टोकन वितरित किए जाएंगे। इच्छुक नागरिकों से अपील की गई है कि वे समय रहते टोकन प्राप्त कर लें ताकि 9 मई को अपने आधार संबंधी कार्य बिना किसी परेशानी के पूर्ण करा सकें। सहायक अधीक्षक डाकघर देवास के द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस विशेष अवसर का अधिकतम लाभ उठाते हुए निर्धारित तिथि और समय पर संबंधित डाकघरों में पहुंचें और आधार सेवा का लाभ उठाएं।

डिजिटल जनगणना-2027 में प्रगणकों को सही जानकारी देकर राष्ट्रीय अभियान में बनें भागीदार

जनगणना के आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी नीतियों की आधारशिला

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्टीय जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत जिले में मकान सूचीकरण का कार्य चल रहा है। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन में जिले में मकान सूचीकरण कार्य 30 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस बार की जनगणना की प्रमुख विशेषता इसका पूर्णतः डिजिटल होना है, जिसमें प्रगणक कागज के फॉर्म के स्थान पर मोबाइल ऐप के माध्यम से घर-घर जाकर डेटा संग्रहण कर रहे हैं। जिले के नागरिक डिजिटल जनगणना-2027 में प्रगणकों को सही जानकारी देकर राष्टीय अभियान में भागीदार बनें।

कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे प्रगणकों को सही और सटीक जानकारी प्रदान करें। उन्होंने कहा, जनगणना के आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी नीतियों की आधारशिला होते हैं। इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में हर नागरिक का सक्रिय सहयोग अनिवार्य है। सभी प्रगणक निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने क्षेत्रों में डिजिटल डेटा फीडिंग का कार्य पूर्ण करेंगे, जिससे गणना में पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित हो सकेगी।

नागरिकों से क्या पूछा जाएगा- मकान सूचीकरण के दौरान प्रगणक नागरिकों से कुछ सामान्य और बुनियादी जानकारियां प्राप्त करेंगे, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं, भवन की स्थिति और परिवार के सदस्यों की संख्या,परिवार के मुखिया का नाम, बुनियादी सुविधाएं जैसे नल कनेक्शन, बिजली, शौचालय/बाथरूम और गैस कनेक्शन, घरेलू संपत्ति जैसे रेडियो/टीवी, केबल कनेक्शन, साइकिल/मोटर साइकिल/कार, परिवार द्वारा उपयोग किया जाने वाला मुख्य अन्न, इंटरनेट, मोबाइल आदि।

क्या साझा न करें- जनगणना कार्य के दौरान प्रगणक नागरिकों से किसी भी प्रकार के संवेदनशील दस्तावेज या निजी वित्तीय जानकारी की मांग नहीं करेंगे। नागरिक ध्यान रखें कि प्रगणकों द्वारा आधार कार्ड नंबर, पैन कार्ड नंबर या बैंक विवरण नहीं पूछा जाएगा। किसी भी प्रकार का ओटीपी साझा करने की आवश्यकता नहीं है। प्रगणक के घर पहुंचने पर नागरिक अपनी संतुष्टि के लिए उनका आधिकारिक पहचान पत्र अवश्य चेक करें।

मोटर रखने के विवाद में की थी ग्रामीण की हत्या, न्यायालय ने सुनाई आजीवन कारवास की सजा

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम ग्राम बटवाड़ी में वर्ष 2022 में डेम पर मोटर रखने के विवाद में दो लोगों ने एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। मामले में षष्टम अपर सत्र न्यायाधीश ने मुख्य आरोपी रमेशचन्द्र और तेजूबाई को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोनों पर पांच-पांच हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। यह फैसला 5 मई 2026 को सुनाया गया।

घटना 18 नवंबर 2022 को हुई थी। ग्राम बटवाड़ी में भगवानसिंह और आरोपियों के बीच डेम पर पानी की मोटर रखने को लेकर विवाद शुरू हुआ। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने भगवानसिंह और उनके भाई भारतसिंह पर हमला कर दिया। हमले के दौरान रमेशचन्द्र और तेजूबाई ने भगवानसिंह के सिर पर तलवार से वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। उनके भाई भारतसिंह को भी गंभीर चोटें आई। घायलों को तत्काल शाजापुर जिला चिकित्सालय ले जाया गया। जहां से भगवानसिंह की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें इंदौर रेफर किया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक भगवानसिंह के भाई धनसिंह ने बैरछा थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया और पर्याप्त साक्ष्य जुटाकर न्यायालय में चालान पेश किया। न्यायालय ने अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों और तर्कों से सहमत होते हुए रमेशचन्द्र और तेजूबाई को हत्या का दोषी पाया।

जिला बदर नोटिस के खिलाफ वकीलों का प्रदर्शन, राजनीतिक द्वेष से प्रेरित कार्रवाई का आरोप

अभिभाषक संघ ने जिलाधीश को सौंपा ज्ञापन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अभिभाषक संघ देवास ने अपने सदस्य अधिवक्ता जितेन्द्र सिंह गौड़ के विरुद्ध चल रही जिला बदर की कार्यवाही को निराधार और राजनीतिक द्वेष से प्रेरित बताते हुए मंगलवार को जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा। संघ ने मांग की है कि उक्त प्रकरण को तत्काल समाप्त किया जाए।

ज्ञापन में संघ अध्यक्ष एड. अशोक वर्मा ने बताया कि अधिवक्ता समाज का एक प्रतिष्ठित वर्ग है, जो न्यायालय में ऑफिसर ऑफ द कोर्ट जैसे गरिमामय पद को सुशोभित करता है। देवास अभिभाषक संघ प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में अपनी प्रतिष्ठा के लिए जाना जाता है और इसके सदस्य भी उसी अनुरूप आचरण करते हैं। संघ ने बताया कि अधिवक्ता जितेन्द्र सिंह गौड़ वर्ष 2023 से नियमित सदस्य हैं और एक प्रतिभाशाली व सौम्य व्यवहार वाले युवा वकील के रूप में जाने जाते हैं। उनके विरुद्ध जारी कारण बताओ नोटिस (प्रकरण क्रमांक 0016/जिलाबदर/2026) को लेकर संघ ने उनके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का अवलोकन किया, जिसमें पाया गया कि उनके खिलाफ दर्ज पुराने प्रकरण वर्ष 2007 से 2023 के बीच के हैं और सभी राजनीतिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। इन मामलों में कहीं भी दोष सिद्ध नहीं हुआ है तथा 2023 के बाद कोई नया मामला दर्ज नहीं है। संघ ने यह भी उल्लेख किया कि गौड़ छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय रहे हैं और वर्तमान में जिला कांग्रेस कमेटी देवास ग्रामीण के जिला संगठन महासचिव के पद पर कार्यरत हैं। हाल के महीनों में उन्होंने विभिन्न जनहित मुद्दों को लेकर आंदोलन और प्रदर्शन किए, जिन्हें मीडिया में भी प्रमुखता मिली। अभिभाषक संघ का आरोप है कि इन्हीं राजनीतिक गतिविधियों से आहत होकर उनके विरुद्ध बिना ठोस आधार के जिला बदर की कार्यवाही शुरू कराई गई है। संघ ने स्पष्ट किया कि अपने सदस्यता काल के दौरान गौड़ के खिलाफ किसी भी अवैध गतिविधि या सामाजिक भय उत्पन्न करने जैसी कोई शिकायत सामने नहीं आई है और उनका व्यवहार सदैव सौहार्दपूर्ण रहा है।

अमलतास हॉस्पिटल की जनसेवाः निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों ग्रामीणों को मिला उपचार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण अंचलों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में राजीव गांधी पंचायती राज संगठन एवं अमलतास हॉस्पिटल की पहल रंग लाई। जिले के ग्राम पटलावदा में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों ग्रामीणों, माता-बहनों एवं बुजुर्गों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श और आवश्यक चिकित्सकीय सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर में अमलतास हॉस्पिटल की विशेषज्ञ चिकित्सक टीम ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक परामर्श, दवाइयां एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। अस्पताल की इस जनसेवा भावना और ग्रामीण क्षेत्रों तक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने के प्रयास की क्षेत्रभर में सराहना हो रही है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवास के पूर्व महापौर ठाकुर जय सिंह ने अमलतास हॉस्पिटल की सेवाभावी पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि निजी संस्थानों द्वारा इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अमलतास हॉस्पिटल लगातार स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है और ग्रामीण अंचलों में ऐसी पहलें निश्चित रूप से जनहित में मील का पत्थर साबित होंगी।

संगठन के जिला अध्यक्ष मलखान सिंह देवड़ा ने सफल आयोजन के लिए अमलतास हॉस्पिटल की पूरी मेडिकल टीम, ग्रामवासियों एवं सहयोगी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर गोवर्धन सिंह खींची, लुकमान अली, हरि सिंह तंवर, सिंह सिसोदिया, आनंद सिंह चौहान, जसमत पुरी, गजराज सिंह गोहिल, धन सिंह सोलंकी, राजेंद्र सिंह सिसोदिया, धर्मेंद्र गोस्वामी, श्रीवर्धन बना, इंद्र बना, अजय देवड़ा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आरोपियों को पुलिस ने पुलिस रिमांड अवधि खत्म होने पर सोमवार को पुनः न्यायालय में पेश किया

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम जिले के आलोट नगर स्थित विक्रमगढ़ निवासी मनीष माली की हत्या के मामले में गिरफ्तार पांचों आरोपियों को पुलिस ने पुलिस रिमांड अवधि खत्म होने पर सोमवार को पुन~ न्यायालय में पेश किया। वहां से पांचों आरोपियों को जेल भेज दिया गया। न्यायालय में पेश करने के पहले पुलिस ने उनका मेडिकल कराया और पैदल जूलुस निकाला। कड़ी सुरक्षा के बीच सड़क पर आरोपी कान पकड़कर पैदल चलते रहे। आरोपियों को देखने लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। पुलिस का कहना है कि वाहन खराब होने से उन्हें पैदल ले जाया गया।

उल्लेखनीय है कि 01 मई 2026 की रात करीब साढ़े दस बजे 22 वर्षीय मनीष माली पिता दिनेश माली निवासी वार्ड क्रमांक 14 विक्रमगढ़ आलोट बाजार जाने का कहकर घर से निकला था, लेकिन देर रात तक घर वापस नहीं पहुंचा था। परिजन ने उसकी रात भर तलाश की लेकिन उसका पता नहीं चला था। दूसरे दिन 02 मई को सुबह पिता व अन्य परिजन ने आलोट पुलिस थाने जाकर पुलिस को उसके लापता होने की जानकारी दी।

पिता दिनेश माली ने पुलिस को बताया था करीब डेढ़ वर्ष पहले मुख्य आरोपी मंयक माली उर्फ महेंद्र पिता मेहरबान माली निवासी उज्जैन हाल मुकाम विक्रमगढ़ से किसी बात को लेकर उनके बेटे मनीष का विवाद हुआ था। मनीष का कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया है और वे उसे कहीं ले गए है। पुलिस ने सायबर सेल की मदद से मनीष की खोजबीन शुरू की तथा परिजन द्वारा बताए संदेही मयंक व उसके साथियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो मुख्य आरोपी मयंक ने सारा राज उगल दिया था और पुलिस को बताया कि वह साथियों के साथ मनीष को अपने उज्जैन स्थित मकान पर ले गया था, वहां उसका शव पड़ा है। पुलिस ने मयंक को उज्जैन ले जाकर उसके बताए स्थान से मनीष का शव बरामद किया था। पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपी मयंक माली उर्फ महेंद्र, रितेश माली, निखिल माली, यश माली व मुज्फ्फर को गिरफ्तार किया था। पांचों आरोपियों को 03 मई को न्यायालय पेश किया गया था। न्यायालय ने आरोपियों को 04 मई तक पुलिस रिमांड पर रखने के आदेश दिए थे।

पहले थाने का घेराव, फिर किया था चक्काजाम- मनीष की हत्या की खबर से परिजन व लोगों में आक्रोश फैल गया था और उन्होंने 02 मई को पुलिस पर मनीष की तलाश में विलंब करने का आरोप लगाकर आलोट थाने का घेराव कर नारेबाजी की थी। काफी समझाइश के बाद मामला शांत हुआ था। दूसरे दिन 02 मई को सुबह पुलिस ने उज्जैन में मनीष के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजन को सौंप दिय था। शव घर ले जाते समय आलोट में लाकर विक्रमगढ़ रेलवे फाटक के पास सड़क पर रखकर आक्रोशित लोगों ने चक्काजाम कर दिया था और वे आरोपियों के घर बुलडोजर चलाने, उनका जुलूस निकालने, मृतक के एक परिजन को नौकरी देने की मांग कर रहे थे। इसी बीच आरोपियों के अवैध निर्माण जेसीबी से तोड़े गए थे। वहीं कुछ आक्रोशित लोगों ने एक आरोपी के घर आग लगा दी थी तथा एक अन्य आरोपी के घर तोड़फोड़ की थी। पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों चक्काजाम कर रहे लोगों से चर्चा कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया था। इसके बाद चक्काजाम खत्म कर शवयात्रा मुक्तिधाम ले जाकर मृतक का अंतिम संस्कार किया गया था।

अपहरण में प्रयुक्त कार जब्त- आलोट एसडीओपी पल्लवी गौर ने बताया कि पांचों आरोपी पुलिस रिमांड पर थे। उन्हें जेल भेजने के पहले मेडिकल कराने ले जाया गया था। वाहन खराब होने से आरोपियों को कुछ दूर पैदल चलाया गया। काफी कोशिश के बाद भी वाहन चालू नहीं हुआ, दूसरा वाहन आने मे देरी हुई। दूसरा वाहन आने पर आरोपियों को न्यायालय ले जाया गया। आरोपियों ने घटना में प्रयुक्त कार आलोट मे ही रामसिंह दरबार क्षेत्र में छिपाई गई थी, वहां से कार जब्त कर ली गई है।

स्वच्छता सर्वेक्षण-2026 मिशन मोड में जुटे निगम अधिकारी, आयुक्त दलीप कुमार ने बांटे दायित्व

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण-2026 को लेकर नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार एक्शन मोड में आ गए हैं। मंगलवार को उन्होंने निगम अधिकारियों की बैठक लेकर सर्वेक्षण की गाइडलाइन के अनुसार तैयारियों की समीक्षा की और हर अधिकारी को क्षेत्रवार दायित्व सौंपे।

आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपने विभागीय कार्यों के साथ-साथ अपने क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था की भी निगरानी करेंगे। कमियां मिलने पर तत्काल निराकरण करना होगा।

अधिकारियों दी जिम्मेदारी, अपने कार्यो के साथ साथ देखेगें कार्य- उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया~ 16 रहवासी क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था।

उपायुक्त जाकिर जाफरी~ व्यावसायिक क्षेत्रों में सफाई, गार्बेज निरीक्षण व चेकिंग।

उपायुक्त आरती खेडेकर~ स्लम क्षेत्र, थोक कचरा उत्पादक और उसका निराकरण।

उपायुक्त दीपक पटेल~ जलीय संरचनाओं एवं उसके आसपास की सफाई।

प्रभारी ई.ई. इंदुप्रभा भारती~ आरआरआर सेंटर, सीटीयू, सौंदर्यीकरण, सहायक यंत्री जगदीश वर्मा उद्यानों की सफाई व कंपोस्ट पीट से कचरा निष्पादन। सीवरेज ट्रीटमेंट प्लान।

एसबीएम नोडल सौरभ त्रिपाठी~ 29 रहवासी क्षेत्रों में नाला-नालियों की सफाई एवं सम्पूर्ण तैयारियों पर फेकस एवं तत्काल निराकरण व व्यवस्था। उपयंत्री जितेन्द्र सिसोदिया~ सभी फाउंटेन, मूत्रालय, सामुदायिक शौचालय व नालों की सफाई, सर्वे मापदंडों की तैयारी।

आयुक्त ने अनुभूति श्रीवास्तव, सूर्यप्रकाश तिवारी, रविकृष्ण गोयनार, विशाल जगताप, हेमंत उबनारे, दिनेश मिश्रा व दानिश मंसूरी को संपूर्ण कार्यों की तैयारी मे अपने अपने कार्य क्षेत्रों में की जाने वाली व्यवस्थाओं को करने के दिए निर्देश तथा रेस्टोरेंट, फल-सब्जी विक्रेता, स्ट्रीट वेंडर व चाट चौपाटी पर अलग-अलग डस्टबिन की मॉनिटरिंग करने को कहा। सभी दरोगाओं को अपने वार्ड में सफाई, नाला सफाई, कचरा निपटान व गीला-सूखा कचरा अलग करने के निर्देश दिए। रहवासियों से सतत संपर्क रखकर फीडबैक लेने को भी कहा।

आयुक्त ने कहा कि स्वच्छता कार्यों में किसी भी प्रकार की चूक या लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। लापरवाही करने वाले कर्मचारियों की सेवा समाप्त की जाएगी। उपायुक्त वार्डों में दरोगा व सफाई मित्रों की उपस्थिति भी चेक करेंगे।

किसी ओर को बेच दिए हमारे खरीदे गए प्लॉट...

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के बेरछा क्षेत्र से आए चार पीड़ितों ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में प्लाट धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई। पीड़ितों का आरोप है कि एक विक्रेता ने उन्हें जमीन बेचने के बाद उसी प्लॉट को दोबारा अन्य व्यक्तियों को बेच दिया। शिकायतकर्ताओं में राजूबाई परमार, सुशीला बाई चैहान, रविंद्र चैहान और संजय चैहान शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने वर्ष 2020 से 2022 के बीच ग्राम बेरछा स्थित भूमि सर्वे नंबर 2062 के विभिन्न हिस्सों में प्लाट रजिस्ट्री के माध्यम से खरीदे थे। खरीद के बाद पीड़ितों ने मौके पर कब्जा लिया और खंभे लगवाए।

उन्होंने राजस्व अभिलेखों में अपनी जमीन का नामांतरण भी करा लिया था। वर्तमान में खसरा बी-1 में उनके नाम दर्ज हैं, जो उनके स्वामित्व की पुष्टि करता है। पीड़ितों का आरोप है कि विक्रेता रमाकांत नाहर ने रजिस्ट्री और भुगतान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी उनकी अनुपस्थिति में प्लाट पर लगे खंभे उखड़वा दिए और उसी जमीन को अन्य व्यक्तियों को फिर से बेच दिया। इस धोखाधड़ी के कारण पीड़ितों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ मानसिक परेशानी का भी सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पीड़ितों ने यह भी कहा कि यदि समय पर न्याय नहीं मिला, तो वे उच्च स्तर पर शिकायत करेंगे।

कलेक्टर द्वारा घरेलू गैस सिलेण्डरों के मामले में श्री गंगा इण्डेन गैस एजेंसी पर बड़ी कार्रवाई, 828 गैस सिलेण्डर राजसात

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रीति यादव द्वारा आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अंतर्गत घरेलू गैस सिलेण्डरों के मामले में श्री गंगा इण्डेन गैस एजेंसी, आगर के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए 828 घरेलू गैस सिलेण्डरों को शासन पक्ष में राजसात किए जाने के आदेश जारी किए गए हैं। 14.2 किलोग्राम क्षमता के 507 भरे हुए एवं 321 खाली गैस सिलेण्डर, कुल 828 गैस सिलेण्डर शासन हित में राजसात किए गए हैं।

न्यायालय द्वारा जप्तशुदा सामग्री के एवज में अनावेदकों को 22 लाख 83 हजार 984 रुपये की दण्ड राशि जमा करने का विकल्प भी प्रदान किया गया है।

जारी आदेशानुसार प्रबंधक श्री गंगा इण्डेन गैस एजेंसी, आगर अजय सोनी पिता सत्य नारायण सोनी तथा प्रोपराइटर सीताराम परिहार के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 6(क) के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की गई थी। प्रकरण में न्यायालय कलेक्टर जिला आगर-मालवा द्वारा पारित आदेश के अनुसार जप्त घरेलू इण्डेन गैस सिलेण्डरों में आदेशानुसार संबंधित पक्षों को एक माह की अवधि में निर्धारित दण्ड राशि चालान के माध्यम से शासकीय कोष में जमा करना होगी। निर्धारित राशि जमा होने के उपरांत जप्त की गई सामग्री को मुक्त किए जाने के निर्देश भी दिए गए हैं। जप्तशुदा गैस सिलेण्डरों का विधिवत निराकरण जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा किया जाएगा तथा प्राप्त राशि शासन मद में जमा कराई जाएगी।

बदनावर की तपती सड़क पर प्रकृति का वरदान

गुलमोहर की पंखुड़ियों से बरस रही खुशबूदार फुहार

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जेठ की तपती दुपहरी, आसमान से बरसती आग और सड़कों से उठती लू के थपेड़ों के बीच यदि आपको अचानक सावन की रिमझिम का अहसास हो जाए, तो इसे आप क्या कहेंगे यह कोई कल्पना नहीं, बल्कि बदनावर पुलिस थाने के सामने से गुजरने वाले हर राहगीर का जीवंत अनुभव है। यहाँ लगे गुलमोहर के वृक्ष इन दिनों राहगीरों के लिए किसी प्राकृतिक एयर कंडीशनर से कम नहीं है।

अग्नि शिखा के नाम से प्रसिद्ध गुलमोहर के यह पेड़ वर्तमान में अपनी पूरी भव्यता के साथ खिले हुए है। गहरा लाल और नारंगी फूलों का यह शामियाना न केवल आंखों को ठंडक दे रहे है, बल्कि इससे गिरने वाली बारीक खुशबूदार फुहारें लोगों को मंत्रमुग्ध कर रही हैं। जब राहगीर इन पेड़ो के नीचे से गुजरते हैं, तो उनके चेहरे पर फूलों के रस की नन्ही बूंदें गिरती हैं, जो चिलचिलाती धूप में मानसिक शांति और शारीरिक शीतलता का संचार करती हैं।

वनस्पति विज्ञान के नजरिए से देखें तो यह प्रकृति की एक अद्भुत कलाकारी है। अप्रैल से जून के बीच गुलमोहर के फूलों में मकरंद की मात्रा बढ़ जाती है।

दोपहर के समय जब गर्मी अपने चरम पर होती है, तो फूलों और कलियों के भीतर मौजूद यह चिपचिपा रस सूक्ष्म बूंदों के रूप में बाहर निकलता है। हवा के झोंकों के साथ जब यह रस नीचे गिरता है, तो वाष्पीकरण की प्रक्रिया के कारण यह आसपास के तापमान को 3 से 5 डिग्री तक कम कर देता है। यही कारण है कि इस पेड़ के नीचे खड़े होते ही एक अलग ही सुकून मिलता है। यह फुहार चूँकि मकरंद से युक्त होती है, इसलिए इसमें हल्का चिपचिपापन होता है जो आपके चश्मे या कपड़ों पर महसूस हो सकता है। लेकिन इसकी भीनी सुगंध और शीतलता के आगे यह मामूली सी बात गौण हो जाती है।

स्थानीय पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि यह नजारा इस बात का प्रमाण है कि यदि हम प्रकृति को सहेजेंगे, तो वह हमें भीषण परिस्थितियों में भी सुरक्षा प्रदान करेगी। जहाँ आधुनिक युग में हम कंक्रीट की दीवारों के पीछे छिप रहे हैं, वहीं गुलमोहर का यह पेड़ खुले आसमान के नीचे हमें प्राकृतिक उपचार दे रहा है।

गुरुदेव का नगर में भव्य एवं धूमधाम से प्रवेश, प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में मंगलवार को जैन समाज के श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत हर्ष और उत्साह का वातावरण रहा, जब जैन त्रिस्तुतिक संघ के गच्छाधिपति आचार्य देवेश श्रीमद विजय नित्यसेन सूरीश्वर जी म.सा. का अपने साधु-साध्वी मंडल सहित भव्य प्रवेश हुआ। नगर के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने गुरुदेव का गहुली कर स्वागत किया तथा जैन-अजैन बंधुओं ने उनके दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर दूर-दूर से बड़ी संख्या में भक्तजन नगर पहुंचे।

गुरुदेव की निश्रा में 9 मई तक आयोजित होने वाले प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ भी इसी अवसर पर हुआ। महावीर मंगल भवन परिसर में अयोध्या नगरी सभा मंडप, भरतचक्रवर्ती भोजनशाला, भरतपुर नगरी एवं राजयंत आराधना भवन का लोकार्पण लाभार्थी परिवारों द्वारा विधिवत सम्पन्न किया गया।

कार्यक्रम के दौरान दीपक राजेंद्र करनपुरिया ने भक्ति-भाव से ओतप्रोत वातावरण में प्रवेश बहुमान के चढ़ावे संपन्न कराए। कार्यक्रम का संचालन सुशील एम. सकलेचा ने किया। लाभार्थी परिवारों का बहुमान निर्मल सकलेचा परिवार द्वारा किया गया। साथ ही आदिनाथ मंदिर जीर्णोद्धार के लाभार्थी वालीबाई सागरमल छाजेड परिवार का भी सम्मान किया गया।

इस अवसर पर वात्सिल भाई धरूं (थराद), प्रो. श्री पाल सकलेचा, सुशील कटलेचा (भाटपचलाना) सहित अन्य लाभार्थी परिवारों का भी बहुमान किया गया। सुरभि सकलेचा द्वारा गुरुदेव का बनाया गया छायाचित्र गच्छाधिपति को समर्पित किया गया तथा नगर आगमन पर गीत के माध्यम से भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम की शुरुआत गुरुदेव की मंगलाचरण से हुई, जिसने पूरे आयोजन को आध्यात्मिक ऊर्जा और श्रद्धा से भर दिया।

जनगणना के महत्वपूर्ण कार्य में मकान सूची करने मकान गणना का कार्य प्रारंभ

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। जनगणना के महत्वपूर्ण कार्य में मकान सूची करने मकान गणना का कार्य 1 मई 2026 से प्रारंभ हो चुका है जिसके अंतर्गत बड़नगर ग्रामीण के समस्त प्रगणक घर-घर जाकर सूचना संग्रहण का कार्य कर रहे हैं भीषण गर्मी में भी प्रगणक को द्वारा गांव गांव में जाकर अपनी ड्ढ्यड्ड का कार्य मात्र 2 से 3 दिन में पूर्ण कर अपने कार्य क्षमता व कार्य कुशलता का परिचय दिया सभी प्रगणकों को समय-समय पर तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी रुपाली जैन मैडम द्वारा मार्गदर्शन दिया जा रहा है तथा कार्य को सरल व सुगमता से करने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है अपने कार्य को अल्प समय में पूर्ण करने वाले प्रगणक व सुपरवाइजर के नाम कपिल त्रिवेदी वसुपरवाइजर लोकेंद्र सिंह राणावत रघुनाथ दीपू गौर व सुपरवाइजर आशीष कुमार चांगेसिया प्रगणक श्रीमती बेला भारती व सुपरवाइजर तरूणा आर्य प्रगणक प्रवीण शर्मा नारायण जाट चेतन सिंह चौहान व सुपरवाइजर राजकुमार शर्मा प्रगणक पोरवाल सुपरवाइजर राजेश राठौर प्रगणक ओमप्रकाश सोयल सुपरवाइजर प्रेम प्रकाश पंड्या प्रगणक सुमित काला सुपरवाइजर महेश शर्मा प्रगणक ईश्वरलाल प्रजापत सुपरवाइजर संजय सोलंकी प्रगणक विनोद पवार व सुपरवाइजर पुष्कर पाटीदार का कार्य अल्प समय में पूर्ण होने पर जनगणना चार्ज अधिकारी बड़नगर द्वारा तहसील कार्यालय में पुष्प माला के द्वारा उनका उनका सम्मान कर कार्य की सराहना की गई।

अनाज व्यापारी हत्याकांडः पुलिस की बड़ी कार्रवाई, मुख्य आरोपी गिरफ्तार – एक दिन का रिमांड, दूसरे की तलाश तेज

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। शहर के बहुचर्चित अनाज व्यापारी हत्याकांड में बड़नगर पुलिस ने अहम सफलता हासिल करते हुए फरार मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है, जबकि वारदात में शामिल दूसरे आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

घटना 24 अप्रैल 2026 की रात की है, जब फरियादी अंशुल जैन ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उनके पिता राजेन्द्र कुमार जैन की बड़नगर-उज्जैन रोड स्थित सीएनजी पेट्रोल पंप के पास अनाज की दुकान है। पास ही पलदूना निवासी निलेश शाह और उसका पुत्र आदर्श शाह की भी दुकान है।

रात करीब 9~15 बजे राजेन्द्र जैन ने अपने बेटे अंशुल को फोन कर बताया कि गल्ला खरीदने को लेकर निलेश और आदर्श उनसे विवाद कर रहे हैं। विवाद कुछ ही देर में हिंसक झगड़े में बदल गया, जहां दोनों आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए राजेन्द्र जैन पर जानलेवा हमला कर दिया।

सूचना मिलते ही अंशुल मौके के लिए रवाना हुए, लेकिन रास्ते में ही उन्हें घायल अवस्था में अपने पिता को लाते हुए लोग मिले। गंभीर चोटों के चलते राजेन्द्र जैन ने दम तोड़ दिया, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल फैल गया।

गंभीर धाराओं में मामला दर्ज- पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 238/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 103(1), 351(3), 296(b), 3(5) के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

फरारी के बाद पुलिस का शिकंजा- घटना के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए थे। पुलिस ने उनके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी, लेकिन सफलता नहीं मिली। बाद में मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस टीम ने जिला धार में घेराबंदी कर आरोपी निलेश शाह (45 वर्ष) को धर दबोचा।

गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया गया है, ताकि घटना के पीछे के कारणों और अन्य संभावित पहलुओं की गहन पूछताछ की जा सके।

दूसरे आरोपी की तलाश जारी- मामले में फरार आरोपी आदर्श शाह (19 वर्ष) की तलाश के लिए पुलिस की टीमें सक्रिय हैं। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

टीम वर्क से मिली सफलता- इस पूरी कार्रवाई में एसडीओपी महेन्द्र सिंह परमार के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सराहनीय कार्य किया। टीम में उपनिरीक्षक हेमंत कटारे सहित आरक्षक राहुल सिंह राठौर, हेमराज खरे, महेश मौर्य, अजय चौहान, नितेश रायकवार, कैलाश गरवाल, नारायण सरा, स्वरूप हिरवे, राकेश रायकवार, महिला आरक्षक ज्योति हाड़ा एवं सैनिक गोर्वधन डाबी की विशेष भूमिका रही।

क्षेत्र में बढ़ी सुरक्षा, पुलिस सतर्क- घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। स्थानीय नागरिकों ने भी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है, जिस पर पुलिस पूरी गंभीरता से कार्रवाई कर रही है।

अभिभाषक संघ को मिला पुनः सशक्त नेतृत्व

करण रंजीत राठौड़ बने पुनः अध्यक्ष, सर्वसम्मति से बढ़ाया गया कार्यकाल

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। अभिभाषक संघ बड़नगर में आगामी सत्र 2026ङ्क2027 के चुनाव को लेकर आयोजित बैठक ने एक बार फिर संगठन की एकजुटता और विश्वास को मजबूत रूप से सामने रखा। संघ कक्ष में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं की उपस्थिति रही, जहां वर्तमान अध्यक्ष करण रंजीत राठौड़ के कार्यकाल (2025-2026) की विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान उनके नेतृत्व, संगठनात्मक क्षमता, सक्रियता और अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए किए गए कार्यों की सराहना की गई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि बीते एक वर्ष में करण रंजीत राठौड़ ने न केवल संघ को नई दिशा दी, बल्कि अधिवक्ताओं के अधिकारों और समस्याओं को मजबूती से उठाया।

न्यायालय परिसर से जुड़े विभिन्न मुद्दों के समाधान, प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय और अधिवक्ताओं के हित में लिए गए ठोस निर्णयों ने उनके कार्यकाल को प्रभावी और सराहनीय बनाया। अधिवक्ता नरेंद्र शर्मा ने प्रस्ताव रखते हुए कहा कि वर्तमान समय में संघ को एक अनुभवी और सक्रिय नेतृत्व की आवश्यकता है, जिसे करण रंजीत राठौड़ ने अपने कार्यों से सिद्ध किया है।

उन्होंने कहा कि करण राठौड़ ने संगठन की गरिमा को बनाए रखते हुए सभी सदस्यों को साथ लेकर चलने का कार्य किया है, इसलिए आगामी सत्र 2026-2027 के लिए उनका कार्यकाल बढ़ाया जाना चाहिए। इस प्रस्ताव का समर्थन मुकेश पंड्या, मथुरालाल यादव, नरेंद्र स्वर्णकार, दशरथ सिंह पंड्या, जहीर उद्दीन कुरैशी, हरीश शर्मा, सलीम मंसूरी, राजेंद्र सिंह सोलंकी, शंकरलाल यादव, अजय झाला एवं राधेश्याम यादव सहित सभी अधिवक्ताओं ने एक स्वर में किया। सभी सदस्यों ने करण राठौड़ के नेतृत्व पर पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए संगठन को उनके मार्गदर्शन में आगे बढ़ाने की बात कही।

बैठक में सर्वसम्मति से यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि करण रंजीत राठौड़ का कार्यकाल आगामी सत्र 2026ङ्क2027 के लिए बढ़ाया जाए। इस घोषणा के साथ ही संघ में उत्साह और खुशी का माहौल देखा गया। उपस्थित अधिवक्ताओं ने तालियों के साथ इस निर्णय का स्वागत किया और एक-दूसरे को बधाई दी।

अध्यक्ष पद पर पुनः जिम्मेदारी मिलने पर करण रंजीत राठौड़ ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे संघ के हितों की रक्षा, अधिवक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान, न्यायालयीन व्यवस्था में सुधार तथा संगठन की गरिमा को बनाए रखने के लिए पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ कार्य करते रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में संघ को और अधिक मजबूत बनाने, युवा अधिवक्ताओं को प्रोत्साहित करने तथा सभी सदस्यों के बीच समन्वय और सहयोग की भावना को बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। बैठक का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ, जहां सभी सदस्यों ने संगठन की एकता और मजबूती को बनाए रखने का संकल्प लिया।

उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी दिलनवाज खान द्वारा दी गई।

बाइक सवार महिला पर फायरिंग, हालत गंभीर गांव लौट रहे मां-बेटे पर हमला, माँ को लगी गोली

सुसनेर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सुसनेर थाना क्षेत्र में मंगलवार को दिनदहाड़े फायरिंग की सनसनीखेज वारदात सामने आई। बाइक सवार बदमाशों ने मां-बेटे को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। इस हमले में मां गंभीर रूप से घायल हो गई जबकि बेटा बाल-बाल बच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मगरिया निवासी धापू बाई (50) पति सुजान सिंह अपने पुत्र विष्णु गुर्जर के साथ सुसनेर से अपने गांव लौट रही थीं। इसी दौरान मगीसपुर और रामगढ़ के बीच सुनसान रास्ते पर दो बाइक पर सवार करीब पांच हमलावरों ने उन्हें घेर लिया और अचानक फायरिंग शुरू कर दी। हमले में धापू बाई को गोली लगने से वे गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों और स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिला को तत्काल सिविल अस्पताल सुसनेर पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही सुसनेर थाना पुलिस सक्रिय हो गई। थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस तत्काल अस्पताल पहुंचे और घायल महिला के बयान दर्ज किए। वहीं सीएसपी मोतीलाल कुशवाह ने घटनास्थल पर पहुंचकर बारीकी से निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाने के निर्देश दिए। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में नाकाबंदी कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में यह मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार कुछ समय पहले किटखेड़ी डेम में मछली पालन को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था जिसमें पहले भी फायरिंग की घटना हो चुकी है। आशंका जताई जा रही है कि उसी विवाद के चलते इस हमले को अंजाम दिया गया है।

फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा। इस घटना के बाद क्षेत्र में भय और असुरक्षा का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

नेशनल लोक अदालत के प्रचार हेतु प्रचार रथ रवाना

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 9 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के व्यापक प्रचार एवं प्रसार हेतु एक प्रचार रथ वाहन आज न्यायालय परिसर बदनावर से जिला न्यायाधीश जी सी मिश्रा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया जो की क्षेत्र में 9 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के लिए लोगों को जागरूक करेगा एवं लोक अदालत में आपसी समझौते के आधार पर निराकरण होने वाले मामलों के बारे में आम जनता को जानकारी देगा इस अवसर पर न्यायाधीश श्रीमती नेहा प्रधान ,न्यायाधीश सुश्री पलक प्रजापति, न्यायाधीश सुश्री पारुल गोहिया, अभिभाषक संघ के अध्यक्ष नरेंद्र जाट उपाध्यक्ष तन्मय राजावत, सचिव निर्देश सोनगरा एवं अभिभाषक संघ के सभी सम्माननीय सदस्य , न्यायालय के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने क्षीर धारा एवं हिरण्यगर्भ अभियान की समीक्षा कर लक्ष्यपूर्ति के दिए निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा मंगलवार को पशुपालन विभाग के विभागीय कार्यों एवं शासन द्वारा संचालित क्षीर धारा तथा हिरण्यगर्भ (नस्ल सुधार) अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की प्रगति, पशु टीकाकरण, नस्ल सुधार कार्यक्रम एवं पशुपालकों को दी जा रही सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. भरसट ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षीर धारा एवं हिरण्यगर्भ अभियान का प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए मैदानी स्तर पर गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य किया जाए। कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने अभियान की नियमित एवं निरंतर समीक्षा करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक माह विभागीय प्रगति में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित की जाए तथा लक्षित कार्ययोजना बनाकर परिणामोन्मुख कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी निर्धारित लक्ष्य समय-सीमा में प्राप्त करने हेतु सक्रियता से कार्य करें। बैठक में कलेक्टर ने पशुपालकों को सेक्स सॉर्टेड सीमेन तकनीक के प्रति जागरूक एवं प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उन्नत नस्ल के पशुओं के संवर्धन से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी, जिससे पशुपालकों की आय बढ़ाने में सहायता मिलेगी। कलेक्टर ने पशुओं के टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पशुधन को विभिन्न बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए टीकाकरण अभियान को प्राथमिकता के साथ संचालित किया जाए। साथ ही नस्ल सुधार कार्यक्रम की नियमित मॉनिटरिंग कर प्रत्येक माह प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने जनसुनवाई में सुनी 95 आवेदकों की समस्याएं

धर्मसिंह को जमीन का तत्काल कब्जा दिलाने के निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जनसुनवाई में 95 आवेदकों की समस्याएं सुनीं और उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

प्रमुख प्रकरण एवं निर्देश-

जमीन का कब्जा- चौथखेड़ा के धर्मसिंह ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि एसडीएम के आदेश के बावजूद अबतक जमीन का कब्जा नहीं मिला है। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार नीमच नगर को निर्देश दिए कि आज ही टीम भेजकर एसडीएम के आदेश का पालन सुनिश्चित करें और धर्मसिंह को मौके पर जमीन का तत्काल कब्जा दिलवाएं।

दिव्यांग को स्वरोजगार- ग्राम डांगडी के दिव्यांग पंकज चौहान ने स्वरोजगार के लिए सहायता का अनुरोध किया। कलेक्टर ने उपसंचालक सामाजिक न्याय नीमच को निर्देश दिए कि दिव्यांग पंकज को *दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदान कर* स्वरोजगार योजनाओं का लाभ दिलाया जाए।

उपस्थित अधिकारी- इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, अपर कलेक्टर श्री बी.एस. कलेश सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

अन्य आवेदन- जनसुनवाई में बोरखेड़ी तालाब की लक्ष्मण, दारू के मुकेश गायरी, नयागांव के गोरधनसिंह, रतनलाल, बिहार गंज वार्ड 15 नीमच की उर्मिला जोहरी, फोफलिया की संगीता सालवी, जूना भदाना के मांगू बंजारा, नीमच के देवेन्द्र सिंह, इंदिरा नगर नीमच के फारूक, मांगरोल के रामनिवास, बिसलवास खुर्द के सूरजमल, कानाखेड़ा के घनश्याम, इंदिरा नगर की निर्मला मकवाना ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

इसी तरह नेवड के केशुराम, टीचर कॉलोनी नीमच के सुनील वर्मा, सेमली चंद्रावत के गणपतसिंह, जितेन्द्रसिंह, चौथखेड़ा के बाबूलाल गुर्जर, बावड़ा के कैलाश विश्वकर्मा, भाटखेड़ा के कारूलाल, कंजार्डा के हीरालाल, हाड़ी पिपलिया की सरिता मालवीय, कुकडेश्वर के अमरसिंह, सरवानिया महाराज की हेमकुंवर, नीमच सिटी की लीला यादव, बामनवर्डी की रामकन्याबाई, उगरान के देवीलाल, मोरवन के अब्दुल गनी, जावी के जगदीश प्रजापति आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जिस पर कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों पर कार्यवाही करने के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार गंभीर घायल, चालक फरार

सुसनेर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के डग रोड़ चौराहा क्षेत्र में मंगलवार रात्रि करीब 8:30 बजे एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मदद करते हुए घायल को 108 एम्बुलेंस के माध्यम से सिविल अस्पताल पहुंचाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवक लखन पिता बालू सिंह राजपूत, निवासी कड़ियां है। उसे रेत-चूरी से भरे डंपर ने जोरदार टक्कर मारी। दुर्घटना के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और डंपर को जब्त कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। वहीं घायल का अस्पताल में समाचार लिखे जाने तक उपचार जारी है।

पत्रकारिता में ईमानदारी और जनशक्ति की गूंज: मुकेश सहारिया एवं कपिल सिंह चौहान के अनुभवों से सजी कृति की शाम

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सच्ची पत्रकारिता वही है जो किसी का अहित किए बिना समाज को आईना दिखाए और जनहित के मुद्दों पर सरकार और प्रशासन को झुकाने का साहस रखे। यह विचार शहर की दो जानी-मानी मीडिया हस्तियों वरिष्ठ पत्रकार मुकेश सहारिया और कपिल सिंह चौहान ने अपने जीवन के उतार-चढ़ाव और अनुभवों को श्रोताओं के साथ साझा करते हुए कृति संस्था द्वारा आयोजित मेरा जीवन मेरे अनुभव कार्यक्रम में व्यक्त किए। दोनों वक्ताओं ने अपने संघर्ष, सिद्धांतों और पत्रकारिता के बदलते स्वरूप पर खुलकर चर्चा की।

सिद्धांतों से समझौता नहीं- मुकेश सहारिया- पत्रिका के ब्यूरो चीफ मुकेश सहारिया ने अपने शुरुआती संघर्षों और पत्रकारीय यात्रा को याद करते हुए कहा कि मैंने अपने पूरे करियर में कभी ऐसी पत्रकारिता नहीं की जिससे किसी का अहित हो। उन्होंने कहा कि मेरी पत्रकारिता का सफर प्रभातकिरण से शुरू हुआ, लेकिन सुंदरलाल पटवा जी द्वारा स्थापित समाचार पत्र अमृत मंथन में मैंने पत्रकारिता का क ख ग सीखा। उन्होंने अपने जीवन में गुरु नवनीत गुर्जर और गुरुदेव बिल्लोरे के मार्गदर्शन को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। रतलाम और नीमच में दैनिक भास्कर के साथ अपने अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने पत्रकारिता के व्यावहारिक पहलुओं और ख़बरों के प्रकाशन की बारीकियाँ समझाईं।

श्री सहारिया ने भावुक होते हुए कहा कि उनकी ईमानदारी की नींव उनके परिवार के मूल्यों में बसी है। उन्होंने बताया,मेरे नानाजी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे, मेरे मामाजी माधवराव सप्रे संग्रहालय (भोपाल) के संस्थापक रहे हैं और माता-पिता ने शिक्षा व सुरक्षा (सीआरपीएफ) के क्षेत्र में ईमानदारी से सेवा की है। परिवार की इसी विरासत के कारण मैंने कभी ऐसा कोई कार्य नहीं किया जिससे परिजनों के सम्मान पर कोई दाग लगे और ईमानदारी के रास्ते को कभी नहीं छोड़ा।

वर्ष 2011 से पत्रिका समूह के साथ निरंतर कार्यरत श्री सहारिया ने बताया कि उन्होंने तकनीक के बदलते दौर को बहुत करीब से देखा है। उन्होंने कहा, मैंने वह समय भी देखा है जब अखबार क्रेडल मशीन और कंपोजिंग से छपते थे और आज मैं एआई तकनीक के साथ काम कर रहा हूँ। चुनौतियों के बीच निडर और निष्पक्ष पत्रकारिता करते हुए आज मैं अपने सफर से पूरी तरह संतुष्ट हूँ।

जनता की एकजुटता ही लोकतंत्र की शक्ति, कलम से क्रांति ना हो तो सड़कों पर भी उतरना पड़ता है- कपिल सिंह चौहान- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के चर्चित चेहरे कपिल सिंह चौहान ने मुंबई में फिल्म और न्यूज चैनल के सफर से लेकर नीमच में पत्रकारिता तक के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि एक दुखद मोड़ तब आया जब बड़े भाई की असामयिक दुर्घटना और निधन के कारण उन्हें अपना करियर छोड़ परिवार संभालने नीमच लौटना पड़ा। उन्होंने कहा कि उनके दादाजी और पिताजी के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ाव के कारण उनके पास राजनीति में जाने का सहज विकल्प था। बीजेपी के तत्कालीन जिलाध्यक्ष पवन पाटीदार ने उन्हें अवसर भी दिया, लेकिन उन्होंने सक्रिय राजनीति के बजाय पत्रकारिता को निरंतर रखते हुए समाज सेवा का मार्ग चुना।

नीमच मेडिकल कॉलेज आंदोलन का जिक्र करते हुए उन्होंने सांसद सुधीर गुप्ता के साथ ऐतिहासिक बहस से लेकर सरकार बदल जाने पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के समय किये गए आन्दोलन के कई रोचक पहलुओं को उजागर किया। उन्होंने जोर देकर कहा, नीमच में मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति इस बात का प्रमाण है कि यदि जनता और पत्रकार जनहित के मुद्दों पर एकजुट हो जाएं, तो असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि, आम आदमी और पत्रकार किसी भी मंत्री या अधिकारी से ज्यादा ताकतवर हैं।

उन्होंने मुम्बई के अपने फ़िल्मी सफ़र में उस दौर के इंडस्ट्री के दिग्गजों व बाबा आजमी के साथ काम करने और आशा भोंसले का साक्षात्कार शूट करने के रोचक संस्मरण सुनाए।

ऐतिहासिक संयोग और आयोजन- संस्था 'कृति' के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि नारद जयंती, विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस और हिंदी पत्रकारिता दिवस (उदन्त मार्तण्ड का स्थापना दिवस) का अनूठा संगम है।कार्यक्रम की अध्यक्षता राधेश्याम पाटीदार ने की। सरस्वती वंदना पुनीता निगम ने प्रस्तुत की। प्रभावी संचालन डॉ.अक्षय पुरोहित एवं सविता चौधरी ने किया तथा आभार सचिव रघुनंदन पाराशर ने प्रकट किया।

गणमान्य जनों की उपस्थिति- कार्यक्रम में शहर के प्रबुद्धजनों और संस्था सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति रही, जिनमें मुख्य रूप से किशोर जेवरिया, प्रकाश भट्ट, डॉ. पृथ्वीसिंह वर्मा, सत्येन्द्रसिंह राठौर, डॉ. राजेन्द्र जायसवाल, अजय भटनागर, नीरज पोरवाल, जीवन कौशिक, गणेश खंडेलवाल, प्रियंका कवीश्वर, आशा सांभर, गोपाल पोरवाल, मुकेश कासलीवाल, डी.मित्तल, योगेश पाटीदार, कैलाश बाहेती, दिलीप दुबे, उमरावसिंह गुर्जर, शालीन सातपुते, अस्मिता सिंह, श्रीराम गोडबोले, शाहीन सातपुते, सपना सातपुते, घनश्याम कोरानने, रमेश कदम, राजमल व्यास, ज्ञानू व्यास, गोवर्धनलाल धनोतिया, शरद पाटीदार एवं रघुनंदन पाराशर आदी शामिल रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक सम्पन्न

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वन मंडलाधिकारी श्री भारत सोलंकी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में वन क्षेत्रों में अतिक्रमण, वन संरक्षण, वनाधिकार अधिनियम के प्रकरणों, वन-राजस्व सीमा विवादों एवं अवैध वनोपज परिवहन से संबंधित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में वन मंडलाधिकारी द्वारा जिले के विभिन्न वन परिक्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही, वन व्यवस्थापन कार्यों, वन-राजस्व सीमा विवाद, वन क्षेत्र में दर्ज अन्य अपराधों, वनखण्डों से संबंधित प्रकरणों तथा वनोपज के अवैध परिवहन की स्थिति से अवगत कराया गया।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने वन क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को प्रभावी ढंग से संचालित करने हेतु प्रशासन, वन एवं पुलिस विभाग का संयुक्त दल गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि अनुविभाग स्तर पर वन एवं पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए तथा शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

बैठक में खैर वनोपज के अवैध परिवहन से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जानकारी दी गई कि पेटलावद वन परिक्षेत्र में 8 तथा झाबुआ वन परिक्षेत्र में 1 प्रकरण में कार्यवाही की गई है। कलेक्टर ने अवैध परिवहन एवं वन अपराधों पर सतत निगरानी रखने तथा दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि वन संसाधनों का संरक्षण, वन क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा पात्र हितग्राहियों को विधिसम्मत अधिकार उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जिला टास्क फोर्स समिति के माध्यम से इन सभी विषयों की नियमित समीक्षा कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में वृंदावन ग्राम योजना की समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में मंगलवार को वृंदावन ग्राम योजना अंतर्गत कार्ययोजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के तहत चयनित ग्रामों में किए जाने वाले विकास कार्यों, अधोसंरचना निर्माण, स्वावलंबन गतिविधियों एवं विभिन्न विभागों द्वारा किए जाने वाले कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में पेटलावद विधानसभा क्षेत्र के रायपुरिया, थांदला विधानसभा क्षेत्र के नौगांवा तथा झाबुआ विधानसभा क्षेत्र के कल्याणपुरा ग्राम को वृंदावन ग्राम के रूप में चयनित किया गया है।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने निर्देशित किया कि चयनित तीनों वृंदावन ग्रामों में चौपाल का आयोजन किया जाए। चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर आदर्श ग्राम निर्माण की रूपरेखा पर चर्चा की जाएगी तथा ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्राम विकास में जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है और ग्रामीणों के सुझावों को कार्ययोजना में शामिल किया जाए। कलेक्टर ने वृंदावन ग्राम योजना से जुड़े सभी विभागों को निर्देशित किया कि निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि योजनाओं का प्रभाव धरातल पर दिखाई देना चाहिए तथा प्रत्येक विभाग अपने दायित्वों का समय-सीमा में निर्वहन सुनिश्चित करे। योजना अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की प्रत्येक माह समीक्षा की जाएगी।

बैठक में कलेक्टर ने मनरेगा के तहत गौशाला निर्माण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौशालाओं के निर्माण से गौवंश के संरक्षण एवं व्यवस्थापन में सुविधा होगी तथा गौशालाओं को शासकीय अनुदान का लाभ भी प्राप्त हो सकेगा। इससे ग्रामीण स्तर पर पशुपालन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

कलेक्टर ने वृंदावन ग्रामों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से डेयरी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दुग्ध समितियों का गठन किया जाए तथा डेयरी भवन स्थापना हेतु आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत किए जाएं। इससे ग्रामीणों को रोजगार एवं अतिरिक्त आय के अवसर प्राप्त होंगे। कलेक्टर डॉ. भरसट ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वृंदावन ग्राम योजना अंतर्गत निर्धारित कार्ययोजना को चरणबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए तथा ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध निराकरण के दिए निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा मंगलवार को जिला मुख्यालय पर साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न ग्रामों एवं तहसीलों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं मांगें प्रस्तुत कीं।

जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 54 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रकरणों की तथ्यात्मक जांच कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि शीघ्र ही ब्लॉक स्तर पर भी जनसुनवाई प्रारंभ की जाए तथा आवेदन निराकरण की प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर ही सुनिश्चित की जाए, जिससे आमजन को त्वरित राहत मिल सके।

जनसुनवाई में पेयजल समस्या एवं हैंडपम्प संबंधी आवेदन सर्वाधिक प्राप्त होने पर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि हैंडपम्प सुधार, मोटर, राइजर पाइप एवं अन्य मेंटेनेंस कार्य पंचायतों द्वारा 15वें वित्त आयोग की राशि से कराए जाएं। साथ ही लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) के सभी 12 इंजीनियरों को नियमित रूप से फील्ड में उपस्थित रहने के निर्देश दिए। नल-जल योजनाओं की सतत समीक्षा एवं मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश प्रदान किए गए।

सामाजिक विवादों से संबंधित आवेदनों पर कलेक्टर ने तड़वी, पटेल एवं सरपंचों को शामिल कर ग्राम स्तरीय समिति के माध्यम से विवाद समाधान की नई कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। राजस्व विभाग से संबंधित प्रकरणों की संख्या अधिक होने पर कलेक्टर ने लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने पटवारियों को सप्ताह में एक दिन संबंधित ग्राम में रात्रि विश्राम करने तथा प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए मोबाइल कोर्ट की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

जनसुनवाई के दौरान विभिन्न आवेदकों ने अपनी समस्याएं प्रस्तुत कीं। आवेदक श्री गणपतसिंह पिता धुलाजी नायक, निवासी रंभापुर रोड टेम्पो चौराहा, मेघनगर द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर पानी निकासी का मार्ग बंद किए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया गया। ग्राम पंचायत ढेबर बड़ी के सरपंच एवं सचिव द्वारा काकरा डुंगरा, उण्डवा फलिया, छोटी ढेबर, ढेबर बड़ी एवं सात बिल्ली क्षेत्रों में पेयजल संकट को देखते हुए नवीन हैंडपम्प खनन कराने की मांग की गई।

ग्राम ढेबरबड़ी के सरपंच द्वारा बताया गया कि नल-जल योजना अंतर्गत निर्मित पानी की टंकी में लीकेज है तथा ग्राम के घरों तक पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। साथ ही ट्यूबवेल में पानी नहीं होने एवं विद्युत मोटर बंद होने से ग्रामीणों को पेयजल समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में उचित कार्यवाही की मांग की गई।

आवेदिका श्रीमती सेलिन पति हवला कटारा, निवासी ग्राम सेमलपाड़ा तहसील थांदला द्वारा रास्ते की भूमि से अतिक्रमण हटाकर सड़क निर्माण कराने एवं विवाद करने वालों पर कार्यवाही की मांग की गई।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

अंगारकी चतुर्थी पर मंगलनाथ व अंगारेश्वर में रिकॉर्ड भात पूजन

चिंतामण गणेश से लेकर मंगलनाथ और अंगारेश्वर तक दिनभर दर्शनार्थियों की भीड़, विशेष श्रृंगार और पूजन के साथ देर रात तक चला धार्मिक अनुष्ठान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की संकष्टी चतुर्थी पर इस वर्ष पड़े विशेष संयोग अंगारकी चतुर्थी के अवसर पर मंगलवार को उज्जैन में आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सुबह से ही चिंतामण गणेश मंदिर, मंगलनाथ मंदिर तथा अंगारेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। दिनभर चले पूजन-अर्चन और अभिषेक के बीच भक्तों ने अपनी श्रद्धा अर्पित की।

मंगलवार को पड़े इस दुर्लभ संयोग के कारण इस चतुर्थी का महत्व और अधिक बढ़ गया था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह दिन भगवान श्रीगणेश, चौथ माता, मंगल देव और पृथ्वी माता की उपासना के लिए अत्यंत फलदायी माना जाता है। इसी आस्था के चलते हजारों श्रद्धालु उज्जैन के प्रमुख मंदिरों में दर्शन और पूजन के लिए पहुंचे।

भात पूजन के लिए उमड़ी भारी भीड़- मंगलनाथ मंदिर और अंगारेश्वर महादेव मंदिर में मंगल दोष निवारण के लिए विशेष भात पूजन का आयोजन हुआ। सामान्य दिनों की तुलना में इस बार पूजन की संख्या कई गुना बढ़ गई। जहां आम दिनों में सीमित संख्या में भात पूजन होते हैं, वहीं इस विशेष अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पूजन कराकर मंगल दोष शांति की कामना की। पंडितों के अनुसार उज्जैन को मंगल ग्रह की जन्मस्थली माना जाता है, इसलिए यहां किया गया पूजन विशेष फलदायी होता है। श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक, पंचामृत अभिषेक और विधिवत पूजन कर अपने जीवन की बाधाओं को दूर करने की प्रार्थना की।

विशेष श्रृंगार और देर रात तक दर्शन- शाम होते-होते अंगारेश्वर महादेव मंदिर में भगवान का आकर्षक गुलाल श्रृंगार किया गया, जिसने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का माहौल देर रात तक बना रहा। दर्शन का सिलसिला भी रात्रि तक लगातार जारी रहा।

व्रत, पूजन और चंद्रदर्शन का महत्व- अंगारकी चतुर्थी पर सौभाग्यवती महिलाओं ने दिनभर व्रत रखकर शाम को भगवान गणेश और चौथ माता का विधि-विधान से पूजन किया। रात्रि में चंद्रोदय के बाद चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत का पारणा किया गया। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस दिन ऋणमोचक मंगल स्तोत्र और अंगारक स्तोत्र का पाठ करने से आर्थिक, पारिवारिक और व्यावसायिक बाधाओं में कमी आती है।

बढ़ा धार्मिक महत्व- इस बार ज्येष्ठ मास के अधिकमास होने के कारण अंगारकी चतुर्थी का महत्व और भी अधिक बढ़ गया। पूरे दिन उज्जैन की धार्मिक फिजा भक्ति, आस्था और उत्साह से सराबोर रही।

मनोविकास विशेष शिक्षा महाविद्यालय, उज्जैन द्वारा सी.आर.ई कार्यक्रम सम्पन्न

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मनोविकास विशेष शिक्षा महाविद्यालय, उज्जैन द्वारा दिनांक 5 मई 2026 को सीडब्ल्यूएसएन प्रबंधन में पेशेवरों की सहयोगात्मक भूमिका एवं समेकित पुनर्वास रणनीतियाँ विषय पर ऑनलाइन सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के निदेशक फादर टॉम जॉर्ज के मार्गदर्शन में तथा कार्यक्रम समन्वयक सुश्री आकांक्षा क्षेत्री के संयोजन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगता प्रबंधन एवं बाल विकास के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न पेशेवरों के मध्य बहुविषयक समझ को सुदृढ़ करना तथा सहयोगात्मक पुनर्वास दृष्टिकोण को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के मूल्यांकन एवं हस्तक्षेप से संबंधित समेकित एवं बहुआयामी कार्यप्रणालियों पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत ऑक्यूपेशनल थेरेपी, बिहेवियर थेरेपी, स्पीच थेरेपी एवं फिजियोथेरेपी विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए गए। इन सत्रों में आवश्यकता, मूल्यांकन, कार्यक्षेत्र, उद्देश्य, विभिन्न उपचार पद्धतियों एवं हस्तक्षेप रणनीतियों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विशेषज्ञ वक्ताओं में डॉ. पायल मुखर्जी, सुश्री उपासना पी. शिल, डॉ. उत्सव गुर्जर एवं डॉ. अर्चना पाठक ने अपने व्यावसायिक अनुभव एवं महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रतिभागियों के साथ साझा कीं। कार्यक्रम में पुनर्वास पेशेवरों, विशेष शिक्षकों, प्रशिक्षुओं, विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभी सत्र प्रतिभागियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी सिद्ध हुए तथा दिव्यांग बच्चों की पुनर्वास संबंधी आवश्यकताओं की समग्र समझ विकसित करने में सहायक रहे। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों एवं विशेषज्ञों के सक्रिय संवाद तथा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें निदेशक, विशेषज्ञ वक्ताओं, आयोजन समिति एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

सीईओ जिला पंचायत द्वारा विभिन्न मामलों में जन सुनवाई की गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई। बाढ़कुम्हेड़ निवासी मुकेश कुमार जैन ने आवेदन देकर शिकायत की कि उनकी ग्राम दुदरसी में स्थित कृषि भूमि के समीप स्थित भूमि का सीमांकन गलत तरीके से किया जा रहा है। इसमे नपती भी उचित तरीके से नहीं की जा रही है। इस पर तहसीलदार उज्जैन ग्रामीण को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। माकडौन निवासी चंद्रशेखर दवे ने आवेदन दिया कि उनके द्वारा माकडौन की नकल शाखा से जमीन के कागजों की प्रतिलिपि प्राप्त करने के लिए आवेदन दिया गया था। परंतु आज दिनांक तक उन्हें दस्तावेज उपलब्ध नहीं हुए है। इस पर तहसीलदार माकडौन को तत्काल नकल प्रदान करने के निर्देश दिए गए। उज्जैन निवासी लक्ष्मीनारायण चौहान ने आवेदन दिया कि उनके बेटे और बहू द्वारा हाथापाई कर उन्हें घर से निकाल दिया गया है तथा उनके मकान पर जबरन कब्जा कर लिया है। इस वजह से उन्हें भरण पोषण करने में बहुत परेशानी हो रही है। इस पर एसडीएम उज्जैन शहर को भरण पोषण अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

रिजल्ट आए महीना बीता पर मार्कशीट का अता-पता नहीं, 5वीं-8वीं के परीक्षार्थी लगा रहे स्कूलों के चक्कर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शिक्षा केंद्र की 5वीं एवं 8वीं परीक्षा का रिजल्ट आए एक महीना बीत चुका है लेकिन विद्यार्थियों को अब तक मार्कशीट (अंकसूची) नहीं मिल पाई है। बच्चे आज भी अपनी मूल अंकसूची का इंतजार कर रहे हैं। राज्य शिक्षा केंद्र की इन दोनों परीक्षाओं का परिणाम मार्च में घोषित हुआ था लेकिन अब तक केंद्र की ओर से अंकसूचियां जारी नहीं की गई हैं। बताया जा रहा है कि पुनर्मूल्यांकन और पुन~ परीक्षा के बाद ही मार्कशीट जारी की जाएंगी। इसकी संभावना जून महीने में जताई जा रही है। पिछले साल भी जून के बाद ही मार्कशीट का वितरण हुआ था। फिलहाल स्कूल प्रबंधन बच्चों को ऑनलाइन मार्कशीट निकालकर, उस पर हस्ताक्षर और सील लगाकर दे रहे हैं, जिससे छात्रों को फिलहाल काम चलाना पड़ रहा है। कई बच्चे रोज स्कूलों में आकर मार्कशीट के बारे बारे में पूछ रहे हैं। राज्य शिक्षा केंद्र को जल्द से जल्द अंकसूचियां जारी करनी चाहिए ताकि छात्र परेशान न हों। मामले में अधिकारियों का कहना है कि मार्कशीट राज्य शिक्षा केंद्र से ही जारी होती है। अभी तक वहां से अंकसूचियां प्राप्त नहीं हुई हैं। जैसे ही उपलब्ध होंगी, वितरण करा दिया जाएगा।

बिजली लोड बढ़ाने का दबाव, उपभोक्ता परेशान, कई उपभोक्ताओं को बिना जांच करे थमाए नोटिस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन शहर में बिजली कम्पनी कई व्यवसायिक और घरेलू उपभोक्ताओं पर बिजली लोड बढ़ाने का भारी दबाव बना रही हैं। जिससे वे परेशान हैं। लोड बढ़ाने के दबाव के कारण फिक्स्ड चार्ज और सिक्योरिटी डिपॉजिट में काफी बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ रहा है, साथ ही नए कनेक्शन में देरी भी समस्या का कारण बन रही है। बता दें कि इन दिनों नए व पुराने शहर में मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा कई व्यवसायिक और घरेलू उपभोक्ताओं को नोटिस भेजे गए है, जिसमें इस बात का उल्लेख है कि स्वीकृत भार से अधिक भार का उपयोग किए जाने के कारण वास्तविक भार के अनुसार भार को स्वीकृत करवाएं। वर्तमान बिलिंग विवरण व मीटर में दर्ज अधिकतम मांग का अवलोकन करने पर पाया गया कि आपके द्वारा अपने स्वीकृत भार से अधिक धार का उपयोग किया जा रहा है जो कि विद्युत नियामक आयोग से जारी विद्युत प्रदाय संहिता व विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 126 के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है। आप 15 दिन में वास्तविक भार के मुताबिक मांग करें वरना आपके विरुद्ध आपके विरुद्ध विद्युत अधिनियम की धारा 126 के तहत कार्रवाई की जाएगी। नियमित विद्युत देय में सप्लाई अनुसार चार्जेस की राशि जोड़ते हुए मीटर में दर्ज अधिकतम मांग के अनुसार भार वृद्धि की एक पक्षीय कार्रवाई की जाएगी। चौंकाने वाली बात ये है कि ऐसे अधिकांश नोटिस तो उपभोक्ताओं के यहां बिना जांच के ही भेजे गए हैं। लोड बढ़ाने से उपभोक्ता को अधिक सिक्योरिटी डिपॉजिट जमा करना होगा और हर महीने अधिक फिक्स्ड चार्ज का भुगतान करना होगा। जिससे आर्थिक भार बढ़ेगा। बिजली विभाग का यह मनमाना रवैया अब होटल व्यवसाय के लिए बाधक बन रहा है।

फ्रीगंज में बन रहे समानांतर ब्रिज के पिलर तैयार.... जल्द डाला जाएगा स्लैब

सिंहस्थ 2028 से पहले मिलेगा शहर को बड़ा ट्रैफिक समाधान-आवागमन आसान होगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में पुराने और नए इलाके के बीच बेहतर कनेक्टिविटी के लिए बनाए जा रहे फ्रीगंज के नए ब्रिज का काम अब तेजी पकड़ चुका है। करीब 91.76 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस पुल के कई पिलर तैयार हो चुके हैं, जबकि बाकी पर तेजी से काम जारी है। निर्माण एजेंसियों का लक्ष्य है कि सभी पिलर जल्द पूरे कर लिए जाएं, ताकि अगला चरण यानी स्लैब डालने का कार्य शुरू किया जा सके।

यह नया ब्रिज मौजूदा पुराने पुल के समानांतर बनाया जा रहा है। इसकी कुल चौड़ाई 21.40 मीटर रखी गई है, जिससे भविष्य में बढ़ते ट्रैफिक को संभालना आसान होगा। पुल पर दोनों ओर वाहनों के लिए पर्याप्त जगह होगी, साथ ही पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ और बीच में डिवाइडर की व्यवस्था भी की जा रही है। बेहतर रोशनी के लिए सेंटर लाइटिंग भी लगाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि फ्रीगंज का मौजूदा पुल काफी पुराना है, जिसका निर्माण स्वतंत्रता से पहले नैरोगेज ट्रेन संचालन के लिए किया गया था। समय-समय पर इसमें बदलाव किए गए, लेकिन शहर की बढ़ती आबादी और ट्रैफिक के दबाव के चलते यह पुल अब पर्याप्त नहीं रह गया है।

ऐसे में नए पुल का निर्माण शहर के लिए जरूरी माना जा रहा है। निर्माण कार्य के दौरान कई तकनीकी और प्रशासनिक चुनौतियां भी सामने आईं। खासतौर पर एक पुराना रेलवे फुट ओवरब्रिज रास्ते में बाधा बन रहा था, जिसे सुरक्षित तरीके से हटाया गया। साथ ही पहले ठेकेदार द्वारा काम नहीं करने के कारण प्रोजेक्ट में देरी हुई, लेकिन दोबारा टेंडर प्रक्रिया के बाद अब काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस प्रोजेक्ट की खास बात यह है कि नया पुल बनने के बाद भी पुराना पुल चालू रहेगा, जिससे दोनों के माध्यम से ट्रैफिक का दबाव बंट जाएगा। इससे जाम की समस्या में काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। इस पुल का शुभारंभ 12 दिसंबर 2024 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भूमिपूजन के साथ किया गया था। यह ब्रिज चामुंडा माता मंदिर के पास स्थित नगर वन गेट से शुरू होकर आगे टॉवर चौक तक जाएगा, जबकि इसकी एक शाखा मक्सी रोड की ओर भी जोड़ी जाएगी। प्रशासन का लक्ष्य है कि सिंहस्थ 2028 से पहले इस ब्रिज का निर्माण पूरा कर लिया जाए, ताकि श्रद्धालुओं और शहरवासियों को बेहतर यातायात सुविधा मिल सके।

महाकाल मंदिर का करीब 300 करोड़ का बजट पारित

दर्शनार्थियों की सुविधाओं और सिंहस्थ-2028 पर फोकस - डिजिटल व्यवस्था, दर्शन प्रबंधन और परिसर विस्तार के बड़े फैसले

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर की व्यवस्थाओं को आधुनिक और अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए लगभग 299.74 करोड़ रुपए का बजट पारित किया गया। इस बजट में श्रद्धालुओं की सुविधाओं, डिजिटल नवाचार और सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को केंद्र में रखा गया है।

कलेक्टर एवं समिति अध्यक्ष रोशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में साफ संकेत दिए गए कि मंदिर प्रशासन अब पारंपरिक व्यवस्थाओं के साथ आधुनिक तकनीक का समन्वय करेगा। बजट का बड़ा हिस्सा दर्शन व्यवस्था सुधार, सुरक्षा प्रबंधन और आधारभूत ढांचे के विस्तार पर खर्च किया जाएगा। श्रद्धालुओं को धूप और बारिश से राहत देने के लिए महाकाल महालोक में 11 करोड़ रुपए की लागत से फैब्रिकेशन शेड बनाए जाएंगे। यह निर्णय सीधे तौर पर आने वाले समय में बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखकर लिया गया है। मंदिर कर्मचारियों को महंगाई भत्ते के साथ वेतन भुगतान का अनुमोदन किया गया है। साथ ही मंदिर और महालोक के कंट्रोल रूम का एकीकरण और आधुनिकीकरण किया जाएगा, जिससे निगरानी और संचालन अधिक प्रभावी बनेगा।

दर्शन व्यवस्था होगी हाईटेक- भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए अब मंदिर में क्यूआर आधारित फ्लैप बैरियर सिस्टम लागू किया जाएगा। इससे दर्शन प्रक्रिया तेज और व्यवस्थित होगी। साथ ही संध्या और शयन आरती के महत्व के प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया जाएगा, ताकि श्रद्धालु इन आरतियों में अधिक संख्या में शामिल हो सकें।

डिजिटल सुविधा, ऑनलाइन अन्नदान की शुरुआत- मंदिर की वेबसाइट पर अन्नक्षेत्र मॉड्यूल शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इसके जरिए श्रद्धालु घर बैठे भोजन बुकिंग और अन्नदान कर सकेंगे। यह कदम पारदर्शिता और सुविधा दोनों को बढ़ाएगा।

बजट में रखा गया सिंहस्थ आयोजन का ध्यान-

- सिंहस्थ-2028 की तैयारी में तेजी
- आगामी सिंहस्थ 2028 को देखते हुए सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है।
- 80 नई स्टील दानपेटियां (50 बड़ी, 30 छोटी) बनाई जाएंगी
- लगभग 1000 बैरिकेड्स के लिए 259 लाख रुपए स्वीकृत
- भारी स्टेनलेस स्टील बैरिकेड्स के लिए अतिरिक्त 59.14 लाख रुपए मंजूर
- इन व्यवस्थाओं से भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा मजबूत होगी।

सिम पोर्ट के पैसे मांगे तो दो भाइयों ने किया हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मोबाइल सिम की एजेंसी संचालित करने वाले युवक ने सिम पोर्ट के लिए लगने वाले चार्ज की राशि मांगी तो युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर हमला कर दिया। घटना में एजेंसी चलाने वाले युवक का भाई भी घायल हुआ है।

बडनगर का रहने वाला शादाब पिता अनवर हुसैन 31 वर्ष अलग-अलग मोबाइल सिम की एजेंसी संचालित करता है। बड़नगर के ही रहने वाले शाहरुख ने अपनी सिम पोर्ट करने के लिए शादाब को कॉल किया। शादाब ने ऑनलाइन लगने वाला चार्ज मांगा जिसको लेकर शाहरुख ने पहले मोबाइल पर कहा कि ऐसे नहीं लगते हैं जिसको लेकर उनके बीच कहासुनी हुई। कुछ देर बाद शाहरुख अपने तीन-चार साथियों के साथ उसकी एजेंसी पर पहुंचा और कैसे नहीं देने की बात को लेकर विवाद करते हुए हमला कर दिया। शादाब के साथ मारपीट होती देख छोटा भाई सोनू बीच बचाओ में आया तो उसे भी ब्लेड मार दी। दोनों भाइयों को घायल हालत में उपचार के लिए उज्जैन चरक अस्पताल लाया गया है मामले में बड़नगर थाना पुलिस द्वारा घायल भाइयों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू करेगी।

तौल पारदर्शी हो, भुगतान समय पर करें

उज्जैन में उपार्जन केंद्र पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, किसानों से सीधे संवाद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को उज्जैन में उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्था की हकीकत परखी। बिना पूर्व सूचना के सेवा सहकारी संस्था दताना और सुरजनवासा के ग्राम मानपुरा स्थित एग्रो स्टील साइलो पहुंचकर सीएम ने गेहूं खरीदी, तौल, भंडारण और भुगतान प्रक्रिया का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि सरकार की प्राथमिकता किसानों को बिना परेशानी के उपार्जन सुविधा देना है। उन्होंने अधिकारियों को मौके पर ही सख्त निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

तौल में पारदर्शिता अनिवार्य- सीएम ने स्पष्ट कहा कि किसानों की उपज की तौल पूरी तरह पारदर्शी हो, किसी प्रकार की गड़बड़ी या शिकायत की गुंजाइश नहीं रहनी चाहिए।

भुगतान समय पर करें- अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि किसानों को उनकी उपज का भुगतान तय समय सीमा में सीधे खातों में पहुंचे।

केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं जरूरी- पीने का पानी, छाया, बैठने की व्यवस्था सहित सभी जरूरी सुविधाएं हर उपार्जन केंद्र पर उपलब्ध हों।

लापरवाही पर होगी कार्रवाई- मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि उपार्जन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की ढिलाई मिलने पर जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किसानों के बीच जाकर की चर्चा- निरीक्षण के दौरान सीएम किसानों के बीच पूरी तरह घुल-मिल गए। ट्रैक्टर-ट्रॉली पर चढ़कर गेहूं की गुणवत्ता देखी और किसानों से सीधे बातचीत की। किसानों ने भी खुले तौर पर तौल, बारदाना, भुगतान और परिवहन से जुड़े मुद्दे रखे। सीएम ने भरोसा दिलाया कि जरूरत पड़ने पर गेहूं खरीदी की अंतिम तिथि भी बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने कहा, किसानों के चेहरे की खुशी ही सरकार का सुकून है। स्थानीय किसान अल्ताफ पटेल ने बताया कि इस बार फसल अच्छी हुई है और भुगतान भी व्यवस्थित मिल रहा है, जिससे आय में सुधार हुआ है।

निरीक्षण के दौरान उज्जैन विकास प्राधिकरण, प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

केंद्रीय जिला सहकारी बैंक के टूटे ताले, 4 संदिग्धों 2 से पूछताछ

उज्जैन। खाचरौद में रविवार-सोमवार रात केंद्रीय जिला सहकारी बैंक के ताले टूट गये। बैंक में घुसने वालों ने बदमाशों ने बैंक डाटा से लोड़ सीपीयू गायब किया। जबकि लॉकर में 85 लाख रूपये रखे थे। जहां तक बदमाश पहुंच नहीं पाए थे। चपरासी की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है जिनसे पूछताछ की जा रही है।

खाचरौद गल्ला मंडी के सामने जिला सहकारी बैंक में सोमवार सुबह चपरासी श्यामनारायण पहुंचा तो ताला टूटा मिला। मामले की सूचना बैंक अधिकारियों को दी गई। अधिकारियों के आने पर पता चला कि ताला तोड़ने के बाद बदमाश अंदर पहुंचे थे, उन्होने सीसीटीवी कैमरों के साथ सभी कम्प्यूटर सिस्टम के तार काटे है। कैश लॉकर सुरक्षित है। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। जांच के दौरान सामने आया कि ताला तोड़ने वाले बैंक डाटा से लोड़ सीपीयू अपने साथ ले गये है। पुलिस ने कैमरों के फुटेज देखने का प्रयास किया तो कैमरे का डीवीआर भी अपडेट होना नहीं पाया गया। जिसके चलते ताला तोड़ने वाला का सुराग नहीं मिल पाया। बैंक अधिकारियों से डीवीआर मांगा गया जिसकी साइबर तकनीक से जांच की जा रही है। मामले में एसआई ईश्वर जोशी ने बताया कि मामला संदिग्ध नजर आ रहा है। बैंक लॉकर में 80 से 85 लाख केश रखा था लेकिन ताला तोड़ने वालों ने लॉकर को हाथ तक नहीं लगाया। उन्होने सिर्फ कम्प्यूटर सिस्टम चैक किये और बैंक डाटा से लोड सीपीयू गायब किया है। आसपास लगे कैमरों के फुटेज भी देखने का प्रयास किया जा रहा है। चपरासी से पूछताछ में पता चला है कि वह रविवार को अवकाश होने पर बैंक आया था। सफाई और जरूरी काम के बाद शाम 6 बजे ताला लगाकर लौट गया था। वहीं थाना प्रभारी धन सिंह नलवाया ने बताया कि चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है जिनसे पूछताछ की जा रही है। संभावना है कि जल्द ही मामले का खुलासा हो सकता है।

एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्त में आया युवक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले को नशा मुक्त बनाने के अभियान में पुलिस ने एमडी ड्रग्स के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। मंगलवार दोपहर उसे न्यायालय में पेश कर पूछताछ के लिए दो दिन की रिमांड पर लिया गया है।

नीलगंगा थाना प्रभारी तरुण कुरील ने बताया कि मुखबिर सूचना के अनुसार पंचमुखी हनुमान मंदिर सावराखेड़ी क्षेत्र में एक व्यक्ति पीले रंग की शर्ट पहने हुए अवैध मादक पदार्थ लेकर बिक्री की फिराक में खड़ा था। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके के लिए रवाना हुई। बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी की गई, जहां मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए का व्यक्ति मिला। उक्त व्यक्ति को पकड़कर पूछताछ करने पर उसने अपना नाम तनवीर उर्फ तनु पिता ताहिर शेख 21 वर्ष निवासी शाहजलालपुर बड़नगर बताया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से एक पारदर्शी पन्नी में हल्के पीले रंग का पाउडरनुमा पदार्थ बरामद हुआ। पंचों के समक्ष उक्त पदार्थ की पहचान अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स के रूप में की गई। जिसका कुल वजन 15 ग्राम पाया गया । आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपी से मादक पदार्थ के स्रोत एवं नेटवर्क के संबंध में पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया है। आरोपी को गिरफ्तार करने में उपनिरीक्षक भूपेंद्र चौहान, आरक्षक अंकित, विक्रम और प्रशांत की भूमिका रही।

निर्माण के साथ ही चेंबर, फुट-पाथ और सड़क की फिनिशिंग का कार्य कर लें-संभागायुक्त श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने नियमित निरीक्षण के दौरान मंगलवार को सिंहस्थ महापर्व को दृष्टिगत रखते हुए शहर में किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि जहां तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य पूर्ण होता जा रहा है, उन स्थानों पर ड्रेनेज चेंबर, फुट-पाथ और सड़क की फिनिशिंग भी साथ-साथ करने के निर्देश दिए। कार्य की गति बढ़ाने के लिए संबंधित निर्माण एजेंसी को श्रमिकों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि जहां तक कार्य पूर्ण हुआ है वहां आगे की ओर तेजी से कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखें। पैदल भ्रमण के दौरान रहवासियों और व्यापारियों ने शहर विकास के लिए हो रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्य में पूरी तरह सहयोग देने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर आगामी सिंहस्थ 2028 महापर्व पर विश्व स्तरीय आयोजन के लिए आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को सुविधा, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन, भीड़ प्रबंधन के लिए शहर के प्रमुख मार्गों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। मंगलवार को सिंहस्थ के प्रचलित कार्यों का नियमित निरीक्षण संभागायुक्त श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने किया। संभागायुक्त श्री सिंह ने कोयला फाटक से कंठाल चौराहे तक, बियाबानी से तेलीवाड़ा तक किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्य का पैदल भ्रमण करते हुए जायजा लिया। इस दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि जहां तक कार्य पूर्ण हो चुका है वहां फिनिशिंग का कार्य भी पूर्ण करें। पाइप लाईन डालने के साथ ही आमजन को पानी की परेशानी नही हो इसका भी ध्यान रखें। संभागायुक्त श्री सिंह ने तेलीवाड़ा क्षेत्र में कार्य प्रभावित होने पर नाराजगी जताते हुए मार्ग चौड़ीकरण कार्य में आने वाली बाधा हटाकर तेज गति से कार्य करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह और कलेक्टर श्री सिंह, निगम आयुक्त श्री मिश्रा ने नरेंद्र टॉकीज तिराहा से कंठाल चौराहा, सतीगेट से छोटा सराफा खड़े हनुमान मंदिर तक कार्य का निरीक्षण करते हुए नगर निगम के अधिकारियों को बारिश के पहले आधार स्तर के कार्य पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त लेबर लगाने के निर्देश दिए।

ट्राले-कार की भिड़ंत में उज्जैन के एमआर की मौत

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगर मालवा के सुसनेर में सोमवार को ट्राले और कार के बीच हुई भिड़ंत में उज्जैन के एमआर युवक की मौत हो गई और साथी एमआर गंभीर रूप से घायल हुआ है। चिमनगंज थाना क्षेत्र के इंदिरा नगर में रहने वाला अखिलेश पिता चिंतामणि तिवारी एमआर था। वहां अपने साथी एम आर आशीष पिता सुरेंद्र जोशी निवासी इंदौर के साथ विजिट पर आगर मालवा गया था। सुसनेर के समीप उनकी कार सामने से आ रहे ट्राले से टकरा गई। दुर्घटना में कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना में अखिलेश की मौके पर मौत हो गई आशीष गंभीर रूप से घायल हुआ है। दुर्घटना की खबर मिलते ही दोनों के परिजन आगर मालवा पहुंच गए थे। आशीष को उपचार के लिए इंदौर ले जाया गया है। अखिलेश का पोस्टमार्टम कराया गया। सुसनेर से शव अंतिम संस्कार के लिए उज्जैन लाया गया है।

छात्रा की जगह परीक्षा देते पकड़ाई इंदौर की युवती

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के वागदेवी भवन में छात्रा के स्थान पर इंदौर की युवती सॉल्वर बन परीक्षा दे रही थी। मामला उजागर होने पर पकड़ा गया और पुलिस ने उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

माधव नगर थाना पुलिस ने बताया कि विक्रम विश्वविद्यालय वागदेवी भवन केंद्र अध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र कुमार भरल ने शिकायत दर्ज कराई की बीकॉम षष्ठम सेमेस्टर की सोमवार को परीक्षा आयोजित की गई थी इस दौरान कक्ष क्रमांक ए वन में संदिग्ध छात्र परीक्षा देते दिखाई दी। जिससे पूछताछ कर परीक्षार्थी छात्रा के फोटो से मिलान किया गया तो युवती सॉल्वर होना सामने आई। वह सपना भदोरिया के स्थान पर प्रश्न पत्र सॉल्व कर रही थी। पूछताछ में युति ने बताया कि उसका नाम विशाखा पिता जयप्रकाश महेश्वरी निवासी यादव नगर इंदौर है। शिकायत पर इंदौर की युवती को गिरफ्तार कर मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 319 (2) का प्रकरण दर्ज किया गया है ज्योति से पूछताछ की जा रही है उसका कहना था कि वह बीटेक की छात्रा है और बीकॉम की परीक्षा देने सपना की जगह आई थी। पुलिस के अनुसार सॉल्वर युवती से इस बात की जानकारी जुटा जा रही है कि उसे किसने परीक्षा के लिए बुलाया था और युवती को परीक्षा देने के आवाज में कितने रुपए मिले हैं।

ऋषभ का सामने आया नाम- सॉल्वर के तौर पर पकड़ी गई युवती ने पूछताछ में खुलासा किया। उसने बताया कि उसकी पहचान ऋषभ नाम के युवक से है, जिसकी बहन सपना भदौरिया की जगह उसे परीक्षा देने बुलाया गया था। सपना ने उस पर दबाव बनाया और कहा कि फिलहाल परीक्षा दे दो, बाकी डील बाद में समझ लेंगे।÷ इसी कारण वह इंदौर से उज्जैन परीक्षा देने पहुंची थी। ऋषभ ने उसे भरोसा दिलाया कि वह पहले भी तीन बार ऐसा काम कर चुका है, इसलिए कोई दिक्कत नहीं आएगी।